मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 15 नवंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष 10 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 66 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

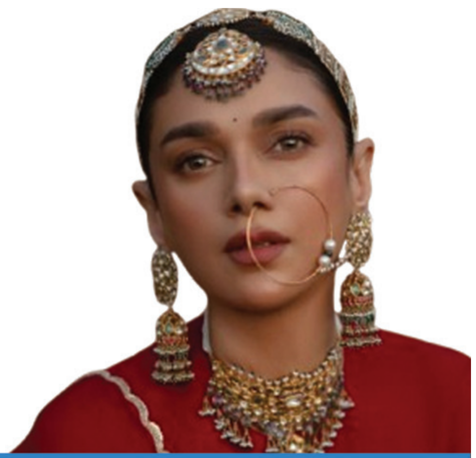

4 ▸▸ धरती आबा के संकल्पों को पूरा करती मोदी सरकार

दुल्हन की तरह सजी अदिति राव हैदरी ◂◂ 6

न्यूज IN ब्रीफ

विधायक की उपस्थिति में महिला ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

सिल्ली :क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उसकी गुणवत्ता की निगरानी स्वयं करें यह बातें विधायक अमित महतो ने शुक्रवार को पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास के दौरान ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा.उन्होंने ग्रामीणों से आशीर्वाद लेते हुए कहा कि क्षेत्र का संपूर्ण विकास के लिए सभी का सहयोग की आवश्यकता है। विधायक के गरिमामयी उपस्थिति में मो सुमती देवी ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग योजना अंतर्गत अनगड़ा प्रखंड के गुड़ीडीह पंचायत में हापतबेड़ा कोयनारडीह मार्ग मे जोन्हा फॉल मुख्य गेट से 1700 फीट पीसीसी पथ का आधारशिला रखी.। मौके पर झामुमो नेता रिझु मुंडा रोशन साहू, दिनेश प्रजापति, बसंत महतो, योगेन पातर, संतोष महतो, किसलय महतो, जगदीश मुंडा ,गुड़ीडीह मुखिया, विजय उरांव जोन्हा, मुखिया कृष्णा मुंडा ,रामकिशोर बेदिया, रेंजर गायत्री देवी, वनरक्षी नितिन कुमार, छत्रपति गोराई कृष्णा महतो ,अशहर जया व अन्य मौजूद थे।

नि:शुल्क मधुमेह जांच व जागरूकता शिविर आयोजित

रांचीः पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत श्री राधा कृष्ण गार्डन के निवासीगण एवं लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट के सदस्यगणों के बीच, निःशुल्क मधुमेह जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट,द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में रांची के सुप्रसिद्ध डायबिटोलॉजिस्ट डॉ. अजय छाबड़ा एवं पीएमपीके हेल्थ प्र.लि. के सहयोग से संपन्न हुआ।
निःशुल्क मधुमेह जांच, परामर्श एवं एचबीओ1सी की भी जांच शिविर में की गई इस शिविर में लगभग 70 लोगों की जांच एवं डॉ छाबड़ा द्वारा सलाह दी गई।
मधुमेह आज हर घर की चुनौती बन चुकी है। समय पर जांच, सही जानकारी और जागरूकता ही इसका सबसे बड़ा बचाव है,कार्यक्रम के बाद अल्पाहार की भी व्यवस्था थी। आज के इस कार्यक्रम में अध्यक्ष लायन भारतेंदु झा,उपाध्यक्ष लायन सतीश गुप्ता,सचिव लायन अमित कुमार,पूर्व अध्यक्ष लायन प्रदीप जैन,प्रोजेक्ट गाइड सह सोसायटी के अध्यक्ष लायन कुमार प्रशांत गुप्ता, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन लायन रंजीत कुमार,लायन नीरज कांत साहा, लायन निशा कुमारी, लायन अनीता झा,लायन अशोक अग्रवाल, लायन रामकृष्ण जी,लायन शीतल ओहदार, लेडी लायन रीना वर्मा, मोनिका चौधरी,अनीता गुप्ता,श्वेता साहा के अलावे सोसायटी एवं क्लब के कई सदस्य उपस्थित हो कार्यक्रम को सफल बनाया।

बिहार में एनडीए की जीत पर लोजपा आर ने मनाई खुशी

रांची : रांची जिला लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास आर के रांची जिला अध्यक्ष दिनेश सोनी के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के खुशी में रांची के हृदय स्थल अल्बर्टएक्का चौक में बम - पटाखा फोड़कर व एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर खुशी जाहिर की और पूरे रांची जिला के ओर से बिहार चुनाव में ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए बिहार के जनता ने जो अपना योगदान देकर एनडीए को ऐतिहासिक जीत दिलाने का कार्य किया। इसी तरह हर चुनाव में हर राज्य के जनता सही प्रतिनिधि चुन्नी का काम करें ताकि सही विकास हो सके और हम सब का युवा सम्राट लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास आर के आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ- सभी लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास आर के सांसद का मेहनत लगन से जो बिहार फर्स्ट बिहार फर्स्ट मामले को लेकर रात दिन एक करते हुए प्रचार प्रसार कर लोजपा का भी ऐतिहासिक जीत होने के खुशी में रांची जिला लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास आर के सभी पदाधिकारी के ओर से बिहार के जनता के साथ हम सब के युवा सम्राट राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एवं पांचो संसद को जीत के खुशी में ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई भी देते हैं ।

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित

सिमडेगाः धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जिले में श्रद्धा और सम्मान का विशेष माहौल रहा। उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह, पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी, उप विकास आयुक्त श्री दीपांकर चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी, एलआरडीसी, जिला जन-संपर्क पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने नगर भवन परिसर स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा एवं स्व शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि दे कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उपायुक्त ने कहा कि बिरसा मुंडा स्वतंत्रता संघर्ष और आदिवासी अस्मिता के अमर प्रतीक हैं, जिनके आदर्श समाज को नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम के दौरान वीर स्वतंत्रता सेनानी एवं महापुरुष–वीरू बुधु भगत, बाबू कुंवर सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, डॉ. भीमराव अंबेडकर, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और शहीद तेलंगाना खड़िया–की प्रतिमाओं पर भी अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर नमन किया गया।

पहाड़ों की बर्फबारी और उत्तरी हवा से पारा फिसला

9 जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे, 17 तक येलो अलर्ट

संवाददाता

रांची : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को झारखंड के रांची समेत 11 जिलों के लिए 17 नवंबर तक शीतलहर की चेतावनी जारी की। आईएमडी ने गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रामगढ़, रांची और हजारीबाग के लिए 17 नवंबर सुबह 8:30 बजे तक 'येलो अलर्ट' जारी किया।

खूंटी सबसे ठंडाः आईएमडी के रांची स्थित कार्यालय के उप-निदेशक और मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया, इन 11 जिलों में अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने का अनुमान है, जिससे तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में चतरा, लातेहार, पलामू और गढ़वा जैसे उत्तर-पश्चिमी भागों के कुछ जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। खूंटी में तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और इसके साथ ही राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा।
घना कोहरा छाए रहने की संभावना, दृश्यता होगी प्रभावित
: वहीं डाल्टनगंज में 9.3 डिग्री सेल्सियस और रांची में 9.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बुलेटिन में बताया गया कि जमशेदपुर में 12.6 डिग्री सेल्सियस, लोहरदगा में 9.7 डिग्री सेल्सियस और चाईबासा में न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है, जिससे राज्य के ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में दृश्यता प्रभावित होगी। आईएमडी ने साथ ही लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज में मना बाल दिवस

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमाः डोमचांच स्थित बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन, डोमचांच कोडरमा में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 136वीं जयंती पर बाल दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठान की ओर से किया गया, जिसमें बीएड एवं डीएलएड के परीक्षार्थियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर ने कहा कि पंडित नेहरू बच्चों को राष्ट्र का भविष्य और समाज का आधार मानते थे। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे कल के भारत के निर्माता हैं, इसलिए उनकी उचित देखभाल, मार्गदर्शन और शिक्षा देश निर्माण की पहली शर्त है। सचिव हिमांशु

कुमार ने अपने संबोधन में आदर्श, नैतिक और जागरूक पीढ़ी तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज समाज ऐसे बच्चों की अपेक्षा करता है जो चरित्रवान हों और जीवन मूल्यों को समझते हुए जिम्मेदार नागरिक बनें। मंच संचालन प्रोफेसर हरीश नीरज ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. विनोद कुमार अवस्थी ने किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक, शिक्षिकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उत्साह और ऊर्जा से भरा यह आयोजन नेहरू के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सफल प्रयास साबित हुआ।

क्लासमेट की पिटाई से 11 साल के छात्र की मौत

धनबादः जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां क्लासमेटस की पिटाई से छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने छात्र के परिजनों की तहरीर पर क्लासमेटस के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।आक्रोशित परिजनों ने स्कूल में जमकर हंगामा कियाःमामला जिले के गोविंदपुर प्रखंड के महेंद्र प्लस टू उच्च विद्यालय का है। बताया जा रहा है कि यहां 11 वर्षीय छात्र मंजूरा राय की क्लास के ही कुछ 3 सहपाठियों ने उसकी पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक पांचवीं कक्षा का छात्र था। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने स्कूल में जमकर हंगामा किया।

जेएमएम के सोमेश ने भाजपा के बाबूलाल को 38,524 वोटों से हराया

संवाददाता

रांची : झारखंड के चर्चित घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झामुमो के उम्मीदवार सोमेश सोरेन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए भाजपा प्रत्याशी रामदास सोरेन को लगभग 38,524 वोटों के अंतर से मात दी है। बड़े अंतर की इस जीत ने जहां झामुमो खेमे में नई ऊर्जा भर दी है, वहीं भाजपा के लिए यह परिणाम राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।
मतगणना के शुरूआती रुझानों से ही झामुमो प्रत्याशी बढ़त बनाए हुए थे, जो अंतिम चरण तक कायम रही। जीत की घोषणा के बाद घाटशिला में कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया। ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और मिठाइयों के साथ झामुमो कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। तेजी से बदलते राजनीतिक माहौल के बीच घाटशिला सीट को हमेशा से रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता रहा है।

भुला दिया गया हमारा योगदान : गुलाम शाहिद

संवाददाता

रांची : भारत में नवगठित राज्यों की कहानी केवल भौगोलिक पुनर्गठन की गाथा नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं की कहानी है, जिन्होंने वर्षों तक उपेक्षा, पीड़ा और शोषण का सामना किया। झारखंड राज्य भी इन्हीं सपनों का परिणाम है–एक ऐसी धरती जहाँ आदिवासी, दलित, पिछड़े, मजदूर, किसान और अल्पसंख्यक समुदायों ने मिलकर अपनी पहचान और अधिकारों की लड़ाई लड़ी।
15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड का गठन हुआ। आज जब राज्य अपने 25 वर्ष पूरे कर रहा है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस ऐतिहासिक अवसर को जश्न-ए-झारखंड के रूप में मनाने जा रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि हम राज्य के उस इतिहास को भी याद करें जो अक्सर राजनीतिक विमर्शों से गायब कर दिया गया है – विशेषकर मुस्लिम समुदाय की भूमिका। झारखंड आंदोलन केवल आदिवासी अस्मिता का आंदोलन नहीं था; यह सामाजिक न्याय और समानता की साझा लड़ाई थी। इस संघर्ष में मुसलमानों का योगदान भी उतना ही गहरा था जितना आदिवासी समुदायों, छात्रों और स्थानीय संगठनों का। 1857 के विद्रोह से लेकर झारखंड आंदोलन तक, शेख भिखारी, नादिर अली (चतरा), सलामत अली और शेख हारू जैसे योद्धाओं ने अपनी जान न्योछावर की। स्वतंत्रता के बाद भी मोहम्मद मुर्तजा अंसारी (चक्रधरपुर), अशरफ खान (खेलारी), मोहम्मद सईद और जुबैर अहमद (जमशेदपुर), वहाब अंसारी (पुरुलिया) और एस.के. कुतुबुद्दीन (मेदिनीपुर) जैसे नेताओं ने इस आंदोलन को आगे बढ़ाया।झारखंड कौमी तहरीक से जुड़े अनेक युवाओं – मोहम्मद फैजी, सरफराज अहमद, मुश्ताक अहमद, इमरान अंसारी, मुजीबुर्रहमान, सरवर सज्जाद और सुबरान आलम अंसारी – ने इस राज्य की स्थापना के लिए जेल की यातनाएँ सही और अपना जीवन समर्पित किया। परंतु दुखद है कि आज राज्य की राजनीतिक स्मृति में उनका नाम शायद ही कहीं दर्ज है।झारखंड की पहचान किसी एक समुदाय, भाषा या संस्कृति की नहीं है। यह उस साझा संघर्ष की भूमि है, जहाँ विविधता ने एकता को जन्म दिया। समय आ गया है कि हम झारखंड के इतिहास को एकतरफा दृष्टि से नहीं, बल्कि उसके बहुलतावादी और साझे स्वरूप में देखें।आज जब राज्य अपनी रजत जयंती मना रहा है, तो यह अवसर है उन अनसुने नायकों को याद करने का, जिन्होंने झारखंड की अस्मिता के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। झारखंड का असली गौरव तभी पूरा होगा, जब हम उसके हर संघर्षशील समुदाय को समान मान्यता देंगे–क्योंकि यही झारखंड की आत्मा है, यही उसकी साझी विरासत।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

पत्र सं-WB-74-W-O/Works/NIT/X दिनांकः 11.11.2025 मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई–निविदा सूचना सं. 2025–26 :** 134of2025-26 **कार्य का नाम व स्थान :** Improvement & up gradation of health unit at various health units of Jodhpur Division (MTD & DNA Health Units). **अनुमानित लागत रूपये :** 43,80,105.67 **बयाने की राशि रूपये :** 87,600.00 **ई–निविदा सूचना सं. 2025–26 :** 135OF2025-26 **कार्य का नाम व स्थान :** Provision of new TMC siding including Linking of track, extension of track machine sidings, & other ancillary work at various stations ie. Asarnada, Banar, Luni, Rohat, Palimarwar, Mandor, Marwar Mathaniya, Tivari, Haralaya, Marwar Lohawat, Marwar Khara, Ashapura Gomat, Odhaniya Chacha , Jetha Chandan, Thaiyat Hamira, & Jaisalmer station for new TMC sidings in the Jurisdiction of DEN/Cent. **अनुमानित लागत रूपये :** 9,94,72,163.50 **बयाने की राशि रूपये :** 6,47,400.00 **ई–निविदा सूचना सं. 2025–26 :** 136of2025-26 **कार्य का नाम व स्थान :** Civil work in connection with Provision of 02 Nos Elevators (Lifts) at Ramdeora & Phalodi station i/c with ABSS in the Jurisdiction of Aden/JSM of Jodhpur Division. **अनुमानित लागत रूपये :** 65,76,565.74 **बयाने की राशि रूपये :** 1,31,500.00 **ई–निविदा सूचना सं. 2025–26 :** 138of2025-26 **कार्य का नाम व स्थान :** Construction of Community Hall including sports facilities and staff amenities at Merta Road & Degana over Jodhpur Division. **अनुमानित लागत रूपये :** 2,39,48,906.74 **बयाने की राशि रूपये :** 2,69,800.00 निविदा सूचना संख्या 134of2025-26 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 05/12/2025 को 15.00 बजे), 135OF2025-26 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 01/12/2025 को 15.00 बजे), 136of2025-26 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 02/12/2025 को 15.00 बजे), 138of2025-26 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 04/12/2025 को 15.00 बजे) तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है **www.ireps.gov.in**

1443-CR/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

झारखण्ड सरकार
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला
(दूरभाष–06524–223092,(मो0)9431706376,
E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(गुमशुदा की तलाश)

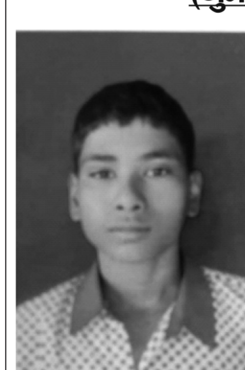

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि लापता संजय उराँव उम्र करीब 15 वर्ष पिता–बुधमन उराँव, सा0–नवाडीह, पोस्ट–आदर, थाना–घाघरा, जिला–गुमला जो पढ़ाई करने सरसावा, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) गये थे, जो दिनांक–03/08/2025 को स्कूल में किसी को बिना बताये निकले और लापता है। अभी तक इनका कुछ पता नहीं चला हैं। इस संबंध में सरसावा (उत्तर प्रदेश) थाना काण्ड सं0–308/25, दिनाक– 03/08/2025, धारा–137(2) के अन्तर्गत अज्ञात के विरूद्ध काण्ड दर्ज किया गया हैं। **जिसका हुलिया निम्न प्रकार हैं।** रंग :–साँवला, उँचाई :–करीब 4 फीट, एवं भाशा :–सादरी, इंग्लिश एवं हिन्दी, बोलता है। पहनावा :– आसमानी रंग का निकर एवं क्रिम कलर का टी–शर्ट पहना हुआ है। इनका खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि उपरोक्त लापता बालक के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते है।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला। – 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी गुमला – 9431706202
4. थाना प्रभारी, अहतु – 8986604606

पुलिस अधीक्षक, गुमला

PR 366036 Police Wireless Headquarter(25-26)#D

POLICE HELPLINE (EMERGENCY DIAL)-112 | CHILD HELPLINE-1098
WOMEN HELPLINE-1091 | DOMESTIC ABUSE HELPLINE-181
CYBER CRIME HELPLINE-1930 | AMBULANCE SERVICE-108

आज़ादी का अमृत महोत्सव | स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर | स्वच्छ सर्वेक्षण 2026

कार्यालय, नगर पंचायत, बुण्डू (राँची)
पता- ब्लॉक रोड, बुण्डू, पिन – 835204
Email Id- nagarpanchayatbundu@gmail.com

पत्रांक – दिनांक –

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम 2016 के प्रावधानों के अनुसार ऐसे संस्थान /होटल/ लॉज/हॉस्टल/रेस्टोरेन्ट/ क्लब / बैंक्क्वेट हॉल इत्यादि जहां प्रतिदिन 50 किलोग्राम से अधिक ठोस अपशिष्ट का उत्सर्जन किया जाता है, उन्हे दिनांक 16-11-2025 तक अपने गीले (जैव विखंडनीय) कचड़े का स्वयं प्रसंकरण (कोंपोस्टिंग/ बायो गैस इत्यादि के द्वारा प्रारम्भ करते हुए निष्पादन करना सुनिश्चित करना अन्यथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम – 2016 एवं झारखंड नगरपालिका अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार दण्ड अधिरोपित किया जायेगा । दिनांक 16-11-2025 से नगर पंचायत बुण्डू द्वारा आपके प्रतिष्ठान से केवल सूखे (अजैव विखंडनीय) कचड़े यथा बोतल, कार्ड बोर्ड, कागज, प्लास्टिक, मेटल इत्यादि का ही उठाव किया जायेगा ।

प्रशासक
नगर पंचायत, बुण्डू

PR.NO.366105 Urban Development(25-26):D

जिला कृषि कार्यालय, राँची
कृषि भवन कैम्पस, कॉके रोड, राँची (झारखण्ड)
Email- daoranchi1@gmail.com

Grant to FPOs Scheme हेतु योग्य FPOs से पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किये जाने हेतु योजना की पात्रता मानदंड हेत आवश्यक सूचना

1. एफपीओ को या तो कंपनी (संशोधित) अधिनियम 2020 के अध्याय XXIA के भाग–1 के तहत या झारखण्ड राज्य के सहकारी समिति अधिनियम के तहत शामिल/पंजीकृत किया जाना चाहिए और उत्पादन और विपणन में पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के माध्यम से सामूहिक लाभ उठाने के उद्देश से गठित किया जाना चाहिए। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र।
2. एफपीओ में न्यूनतम 100 शेयरधारक किसानों की सदस्यता होनी चाहिए और न्यूनतम इक्विटी शेयरधारिता 2 लाख रूपये होनी चाहिए।
3. एफपीओ के पास शेयरधारकों से प्राप्त इक्विटी या वितरित शेयरों का प्रमाण होना चाहिए।
4. एफपीओ का पिछले 3 वित्तीय वर्षो के दौरान न्यूनतम टर्नओवर 10 लाख रूपये और प्रत्येक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम टर्नओवर 3 लाख रूपये होना चाहिए।
5. एफपीओ के पास पिछले तीन वर्षों की चार्टर्ड खातों की ऑडिटेड बैलेंस शीट होना चाहिए।
6. एफपीओ के पास PAN/TAN/GST पंजीकरण होना चाहिए और पिछले 3 वर्षो का Filed ITR होना चाहिए।
7. एफपीओ में कंपनी की भूमिका में कम से कम 5 पदाधिकारी होने चाहिए।
8. एफपीओ के पास सक्रिय चालू खाता होना चाहिए।
9. एफपीओ को झारखण्ड सरकार के साथ MoU करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

आवेदन करने हेतु पोर्टल की विवरणी :– https://jhfpo.jharkhand.gov.in/Registration

जिला कृषि पदाधिकारी
राँची

PR 366004 (Agriculture)25-26*D

रांची, शनिवार, 15 नवंबर 2025
संवत 2082, मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष 10 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 66 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ धरती आबा के संकल्पों को पूरा करती मोदी सरकार

दुल्हन की तरह सजी अदिति राव हैदरी ◂◂

अनियंत्रित होकर डैम में गिरी कार, तीन पुलिसकर्मियों की मौत

✔ मरने वालों में जमशेदपुर प्रिंसिपल जज के दो बॉडीगार्ड और ड्राइवर शामिल

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची में शुक्रवार देर रात हुए एक दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गयी। ज्ञात हो धुर्वा डैम के पास पुलिसकर्मियों का वाहन अनियंत्रित होकर सीधे पानी में जा गिरा, जिसमें तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। रेस्क्यू टीम ने रातभर की मशक्कत के बाद तीनों के शव और उनके हथियार बरामद कर लिए। मृतकों की पहचान प्रिंसिपल जिला जज, जमशेदपुर के दो बॉडीगार्ड उपेंद्र कुमार सिंह, रोबिन कुजूर और सरकारी चालक सतेंद्र सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक तीनों पुलिसकर्मी स्विफ्ट कार से धुर्वा स्थित ज्यूडिशियल एकेडमी से डैम की ओर जा रहे थे, तभी अचानक वाहन नियंत्रण खो बैठा और डैम में गिर गया। हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि हादसा वाहन के अनियंत्रित होने के कारण हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही धुर्वा और नगड़ी पुलिस मौके पर पहुँची। स्थानीय लोग और गोताखोर भी बचाव अभियान में शामिल हुए। करीब दो से तीन घंटे की मेहनत के बाद कार को पानी से बाहर निकाला गया, जिसमें तीनों शव और दो सरकारी हथियार मिले। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। धुर्वा डैम से बरामद वाहन की भी तकनीकी जांच की जा रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि हादसा कैसे हुआ। शहर में इस घटना से शोक की लहर है।

पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहराई से जांच की जा रही है। जांच टीम घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, कार की स्थिति और कॉल डिटेल्स आदि की मदद से पूरे घटनाक्रम को समझने की कोशिश कर रही है। पुलिस उच्चाधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है और मामले की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। फिलहाल, हादसे की वास्तविक वजह सामने आने तक सभी संभावनाओं पर जांच जारी है।

राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति व पीएम ने जयंती पर बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली : आज बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती है। इस मौके पर संसद परिसर में स्थापित धरती आबा बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। संसद परिसर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोक सभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत कई मंत्रियों और केंद्रीय कर्मियों ने बिरसा मुंडा को नमन किया। झारखंड में जन्मे मां भारती के इस सपूत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखे संदेश में झारखंड के स्थापना दिवस पर बधाई देने के साथ-साथ बिरसा मुंडा को भी नमन किया। पूरा देश अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक्स हैंडल पर लिखे संदेश में कहा, 'देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जी को उनकी 150वीं जयंती पर शत-शत नमन। जनजातीय गौरव दिवस के इस पावन अवसर पर पूरा देश मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है। विदेशी हुकूमत के अन्याय के खिलाफ उनका संघर्ष और बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।'

स्थापना दिवस पर राज्यपाल-सीएम ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि, राज्य में रजत पर्व का उत्सव

✔ मोरहाबादी में होगा भव्य मुख्य कार्यक्रम

संवाददाता

रांची: झारखंड स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मौके पर पूरे राज्य में उत्सव का माहौल दिखाई दे रहा है। राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर इस दिन को रजत पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। राजधानी रांची को विशेष रूप से सजाया गया है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों के होर्डिंग और आकर्षक लाइटिंग लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। मुख्य समारोह मोरहाबादी मैदान में आयोजित होगा, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ राज्य की उपलब्धियों का प्रदर्शन किया जाएगा। दिन की शुरूआत कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम से हुई। राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, और विधायक कल्पना सोरेन ने समाधि स्थल पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की और नमन किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पूरे झारखंड के लिए प्रेरणादायक क्षण है। उन्होंने प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि राज्य आगे भी उनकी विचारधारा से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ता रहेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के 25 वर्ष संघर्ष, विकास और पहचान की यात्रा के प्रतीक हैं। सरकार राज्य को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में झारखंड देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में शामिल होगा। वीआईपी आगमन के मद्देनजर समाधि स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासन ने पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जले

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात एक घर में आग लग जाने से एक ही परिवार के पांच लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना मोतीपुर के वार्ड नंबर 13 की है। बताया जाता है कि ललन कुमार का पूरा परिवार शुक्रवार की रात खाना खाकर आराम से सोया था। देर रात उनके घर में आग लग गई। रात में आग लगने की घटना की सूचना पड़ोसियों को हुई तो उन्होंने घर से लोगों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन वे पांच लोगों को नहीं बचा सके। मोतीपुर के थाना प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि इस दुर्घटना में पांच लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों में ललन कुमार के अलावा उनकी पत्नी, मां और दो बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। हालांकि, प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि परिवार के सभी सदस्य सो रहे होंगे और शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई होगी, जिससे झुलसकर सभी की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में ब्लास्ट, 9 की मौत, 30 घायल

✔ शव के टुकड़े 300 मीटर दूर जाकर गिरे

एजेंसी

श्रीनगर : नौगाम थाना परिसर में शुक्रवार रात को हुए भीषण विस्फोट में अब तक 9 पुलिसकर्मियों की जान चली गई है, जबकि 30 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम जारी है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। सामने आए उउळश वीडियो में धमाके की लपटें पूरे थाने के भीतर फैलती दिखती हैं, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कुछ मानवीय अंग करीब 300 फीट दूर तक मिले। कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और टीमें ढहे हुए हिस्सों में फंसे लोगों की तलाश कर रही हैं। थाने के भीतर रखे गए 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट को सील करने की प्रक्रिया चल रही थी, तभी कथित रूप से गलत तरीके से हैंडलिंग होने के कारण हादसा हुआ। इस दौरान एक मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे। यह भी संभावना जताई जा रही है कि परिसर में खड़ी जब्त की गई एक गाड़ी में क्एऊ फिट किया जा रहा था। अनुमान है कि शुरूआती धमाका उसी क्एऊ से हुआ, जिसके बाद अमोनियम नाइट्रेट ने बड़ा विस्फोट कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। डॉग स्क्वॉड और विशेषज्ञों की टीम विस्फोटक सामग्री के अवशेषों की जांच कर रही है। वहीं, डीसी श्रीनगर अक्षय लबरू अस्पताल जाकर घायलों से मिले। यह वही 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट है, जिसे फरीदाबाद में डॉ. मुझम्मिल गनई के किराए के मकान से जब्त किया गया था। इस मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ में मौलवी इरफान अहमद और हरियाणा की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े लोगों का संबंध सामने आया, जहां से दो डॉक्टरों को हिरासत में लिया गया और बड़ी मात्रा में आईईडी निर्माण सामग्री बरामद की गई।

इसी कार्रवाई के दौरान एजेंसियों ने फरीदाबाद में दो कमरों से 2,900 किलो अमोनियम नाइट्रेट भी पकड़ा, जिसका संबंध पुलवामा के एक चिकित्सक से बताया जा रहा है। इन खुलासों से जैश-ए-मोहम्मद के एक बड़े नेटवर्क का संकेत मिलता है।

बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को पार्टी से किया निलंबित

एजेंसी

पटना : भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। पार्टी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, उन्हें पार्टी से बाहर निकालने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, जो संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने के लिए की जा रही है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, आरके सिंह को बाहर निकालने की प्रक्रिया पार्टी के नियमों के मुताबिक तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण के तहत उन्हें निलंबित कर दिया गया है, जिसके बाद जल्द ही उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। नोटिस का जवाब मिलने के बाद निष्कासन की अंतिम कार्रवाई की जाएगी। यह कदम इसलिए हैरान करने वाला है, क्योंकि कुछ दिनों पहले ही ऐसी खबरें आई थीं कि नीतीश सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाने के बावजूद बीजेपी, आरके सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने जा रही है। लेकिन अब पार्टी ने इस कार्रवाई से स्पष्ट कर दिया है कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरके सिंह पिछले काफी समय से अपनी ही पार्टी और एनडीए नेतृत्व के खिलाफ लगातार हमलावर थे। उन्होंने न केवल एनडीए के ताकतवर नेताओं के खिलाफ प्रशांत किशोर द्वारा लगाए गए आरोपों का खुलकर समर्थन किया, बल्कि उन्हें यह भी लगता था कि पिछले लोकसभा चुनाव में उन्हें हराने के लिए राज्य बीजेपी के ही कुछ नेताओं ने साजिश रची थी। उनका मानना था कि इन नेताओं ने अंदरखाते निर्दलीय उम्मीदवार पवन सिंह को समर्थन देकर उन्हें चुनाव हरवाया था। इसके अतिरिक्त, सिंह ने सार्वजनिक रूप से बिहार में शराबबंदी खत्म करने की वकालत की थी, जो राज्य सरकार की नीति के खिलाफ था। यही नहीं, वह 30 मई को रोहतास में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा से भी दूर रहे थे, जिसे पार्टी ने गंभीरता से लिया।

बीजेपी नेताओं के एक धड़े का मानना है कि आरके सिंह की जो भी राजनीतिक ताकत थी, वह बीजेपी के संगठन के कारण ही थी, और पार्टी लाइन से अलग जाकर बयानबाजी करना अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

तालिबान के खिलाफ प्रतिबंधों को लेकर भारत ने पाकिस्तान की लगाई क्लास

सुरक्षा परिषद समिति की अध्यक्षता को लेकर घेरा

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र : भारत ने तालिबान के खिलाफ प्रतिबंधों पर सुरक्षा परिषद की समिति का नेतृत्व करने और आतंकवाद विरोधी पैनल की सह-अध्यक्षता करने वाले पाकिस्तान की जमकर आलोचना की। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने शुक्रवार को परिषद की कार्यप्रणाली पर हुई बहस में कहा कि परिषद के सदस्यों को निहित स्वार्थ वाली समितियों की अध्यक्षता करने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिषद में हितों के टकराव के लिए कोई जगह नहीं हो सकती है। बता दें, पाकिस्तान परिषद का दो साल का निर्वाचित सदस्य है। पी. हरीश ने पाकिस्तान या तालिबान प्रतिबंध समिति या आतंकवाद-रोधी समिति का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। बता दें, समिति के गठन के प्रस्ताव के क्रमांक के आधार पर इसे 1988 समिति के रूप में जाना जाता है। इस समिति के पास तालिबान सदस्यों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार है। इसी समिति की वजह से अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा में देरी हुई थी। गौरतलब है कि फिलहाल पाकिस्तान तालिबान के नेतृत्व वाले अफगानिस्तान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच झड़पें हुई हैं। पाकिस्तान आतंकवाद-रोधी समिति का सह-अध्यक्ष है और साथ ही कई आतंकवादी समूहों और नेताओं को सुरक्षित पनाह भी देता है। पाकिस्तान जिन आतंकी समूहों और नेताओं को पनाह देता है, उनमें से कई संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित हैं। इसे लेकर पी. हरीश ने कहा, सहायक निकायों के अध्यक्षों और पेन होल्डर्स का चयन अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। बता दें, सहायक निकाय परिषद की वह समिति है जो प्रतिबंध लगाती है या विशिष्ट मुद्दों से निपटती है। वहीं, पेन होल्डर्स परिषद के वे सदस्य होते हैं जिन्हें कुछ देशों और मुद्दों के लिए प्राथमिक जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं। हरीश ने सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समितियों के कामकाज और उनके अध्यक्षों के चयन में रखी गई गोपनीयता को हटाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, सहायक अंगों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों या आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के अनुरोधों को अस्वीकार करने के निर्णय गुप्त रूप से लिए जाते हैं।

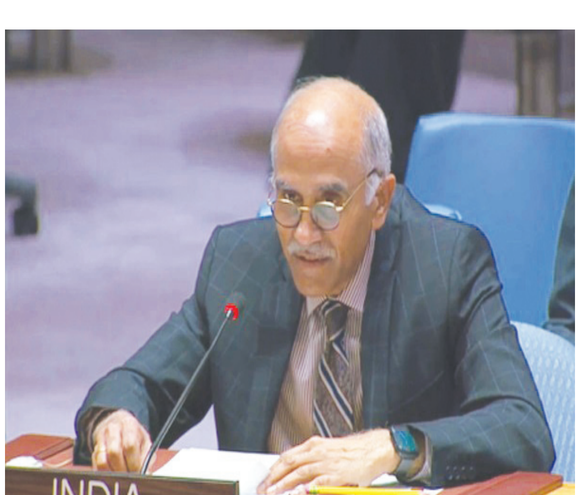

शैक्षणिक भ्रमण पर जा रही बस खाई में गिरी

रांची : कोडरमा से राजगीर शैक्षणिक भ्रमण पर जा रही जवाहर नवोदय विद्यालय की छात्राओं से भरी बस कोडरमा घाटी में हादसे का शिकार हो गई। इस घटना में बस में सवार चालक सहित लगभग दो दर्जन छात्राएं घायल हो गई हैं। घटना की जानकारी देते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रिंसिपल अमिताभ कुमार ने बताया कि विद्यालय के कक्षा 11वीं के 75 बच्चे शैक्षणिक भ्रमण के लिए विद्यालय से राजगीर जा रहे थे। इसी दौरान छात्राओं से भरी बस कोडरमा घाटी के नौवां माइल के पास एक ट्रक से ओवरटेक करने के क्रम में ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई और सड़क किनारे खाई में जा गिरी। जिससे बस में सवार चालक सहित 21 छात्राएं घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पेट्रोलिंग गाड़ी एम्बुलेंस को सूचना देते हुए, घटनास्थल पर पहुँची और दुर्घटना में घायल छात्राओ को सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। स्कूल के प्रिंसिपल अमिताभ कुमार ने बताया कि पीएम श्री के तहत हर वर्ष बच्चों को अलग-अलग जगहों पर शैक्षणिक भ्रमण के लिए ले जाया जाता है और ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद भ्रमण को रद्द कर दिया गया हैं और घायलों के अलावे सभी बच्चों को वापस विद्यालय भेज दिया गया है।

पीएम मोदी के बयान पर बंगाल में सियासी बवाल

टीएमसी बोली- 'भ्रम में मत रहें', बीजेपी ने कहा- इशारा हो गया है

एजेंसी

नई दिल्ली: बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलकर एलान किया कि अब भाजपा का अगला लक्ष्य पश्चिम बंगाल है। उनके इस बयान पर अब सियासी वार-पलटवार का सिलसिला शुरू हो चुका है। पीएम मोदी ने कहा था, "गंगा बिहार से बंगाल तक बहती है. बिहार ने बंगाल में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। अब हम बंगाल से भी जंगल राज हटाएंगे।" प्रधानमंत्री के बयान पर पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा ने निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी किसी भ्रम में मत रहें। बंगाल में भाजपा के लिए जीत दूर की कौड़ी है। शशि पांजा ने कहा, "आपने बंगाल की महिलाओं का अपमान किया है। आपने बंगाल को मिलने वाली पैसों और राज्य की महिलाओं को मिलने वाले धन रोका है। आपने और भाजपा के अन्य नेताओं ने बंगाल की महिलाओं का अनादर किया है।"

ममता बनर्जी सरकार की मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा को 'बंगाल विरोधी जमींदार' के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने भाजपा को बंगाल विरोधी बताते हुए कहा कि बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी जीत की कोई उम्मीद या संभावना नहीं है, क्योंकि महिलाएं उन्हें सही जवाब देंगी। भाजपा ने पलटवार कर दिया जवाबः वहीं, पीएम मोदी के बयान पर पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा, प्रधानमंत्री ने वही कहा, जो कहना जरूरी था। बंगाल में जो कुछ भी हो रहा है, वो अराजकता है और कानून व्यवस्था का पूरी तरह से अभाव है। पश्चिम बंगाल की जनता ने तृणमूल कांग्रेस की सरकार को त्यागने का फैसला कर लिया है।

भाजपा नेता दिलीप घोष ने भी इस पर बयान देते हुए कहा, "पीएम मोदी ने इशारा कर दिया है और ये जरूर होगा। अब बंगाल की बारी है। यहां बदलाव बहुत जरूरी है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बचपन और भारत का भविष्य

भारतीय समाज में प्राचीन काल से बच्चों की निराली छवि संजोई जाती रही है। बाल गोपाल की नटखट लीलाओं का आकर्षण अब भी है। कई घरों में लड्डू गोपाल की पूजा भी होती है। वैसे भी बच्चों की उपस्थिति, उनके हाव-भाव, किलकारी, खेल-कूद में भावनाओं की जिस ऊष्मा से भर देने वाले होते हैं वह अलौकिक यानी ईश्वरीय ही होती है। निश्छल, स्वाभाविक और सहज बच्चे मन के सच्चे होते हैं। पर आम जन जो संतान की चाहत रखते हैं वे समझदार हो गए हैं और परिवार का आकार सीमित रखने की कोशिश करते हैं। शिक्षित प्रौढ़ अधिक सचेत हैं और वे सीमित परिवार की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इस बदलाव का प्रमुख कारण संयुक्त परिवारों का टूटना, अपने मूल स्थान से विस्थापन और तेजी से बढ़ती मँहगाई का अनिवार्य दबाव है। साथ ही वैश्वीकरण के दौर में आकांक्षाओं को भी पर लग गया है और नई-नई संभावनाओं के द्वार खुलते जा रहे हैं जो जीवन की वरीयताओं को उलट-पलट रहे हैं। परिवार ही सबसे पहले उनकी भेंट चढ़ रहा है। कई अत्याधुनिक लोग परिवार को वैकल्पिक मानने लगे हैं । कुल मिला कर आज के कठिन समय में मध्य और उच्च मध्य वर्ग के परिवारों में विशेष रूप से बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा को अच्छी तरह से अंजाम देना चुनौती भरा होता जा रहा है। देश के स्तर पर समस्याएं विराट हैं। आज विश्व की कुल जनसंख्या का छठाँ भाग भारत में रहता है। इसमें बच्चे अर्थात 18 साल तक की आयु वाले लगभग 39 प्रतिशत हैं। एक अनुमान के हिसाब से भारत में 253 मिलियन किशोर हैं। देश में निःसंदेह आर्थिक प्रगति दर्ज हुई है पर उसके अनुपात में जीवन की गुणवत्ता सबके लिए खास तौर पर बच्चों और स्त्रियों के लिए उतनी नहीं बढ़ी है जितनी अपेक्षित है । वस्तुतः भारत वर्ष में बच्चों की स्थिति गंभीर विचार का विषय हो कर भी प्रायः हाशिये पर ही रहती रही है हालांकि कुछ मामलों में प्रगति दर्ज हुई है। उदाहरण के लिए शिशु मृत्यु दर और स्कूल छोड़ने की दर घटी है। परंतु बाल विवाह, कुपोषण और गरीबी से अभी भी छुटकारा नहीं मिल सका है। गौर तलब है कि आज भी हजार बच्चों में 95 बच्चे अपना पाँचवाँ जन्म दिवस मनाने के पहले ही काल कवलित हो जाते हैं। आज भी 4 वर्ष से 14 वर्ष की आयु वर्ग के स्कूल जाने वाले बच्चों का एक बड़ा हिस्सा, आधे से कुछ कम, प्राइमरी शिक्षा पूरी नहीं कर पाता । भारत के आधे बच्चे आज भी कुपोषण के शिकार हो रहे हैं। एक अध्ययन के हिसाब से हर दो लड़कियों में एक कुपोषित मिलती है। तीन महीने तक की आयु के बच्चों में 74 प्रतिशत न्यून या अल्प पोषण पाते हैं। शहरी इलाकों में, खास तौर पर अनौपचारिक हलकों, में गरीबी निश्चित रूप से बाल-विकास के मार्ग में बहुत बड़ी बाधा है। आज भी श्वास रोग और डायरिया (उल्टी दस्त) शिशु मृत्यु का एक बड़ा कारण बना हुआ है। अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तुलना में बाल-विवाह यानी 18 वर्ष की उम्र के पहले विवाह की दर आज भी भारत में सबसे ज्यादा है। इसी तरह देश के कुछ भागों में अभी भी पुत्र की पसंद पुत्रियों की अपेक्षा ज्यादा है जिससे जेंडर से जुड़े भेद-भाव की गुंजाइश बढ़ती है । भारत की जनसंख्या का यह एक सुखद पहलू यह है कि उसमें युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व अधिक है। भारत अब विश्व में एक युवा-प्रधान देश हो गया है। देश में किशोरों की संख्या पूरे विश्व में सर्वाधिक है। उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल-संवर्धन की खास जरूरत है। ये सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक सभी दृष्टियों से भारत के विकास के लिए निश्चित रूप से लाभकारी सिद्ध होने वाले हैं बशर्ते वे सुरक्षित रहें, उनका स्वास्थ्य ठीक रहे, तथा वे सुशिक्षित और कौशल युक्त बन सकें । किशोरियों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है जिनके लिए कुपोषण और बाल-विवाह बड़ी मुसीबत है और उनको ज्यादा प्रभावित होने की संभावना रहती है। किशोरियों के सशक्तीकरण के मार्ग में ये बड़ी बाधाएँ बनी हुई हैं। युवा वर्ग को प्रोत्साहित और विकास के मार्ग पर अग्रसर कराते हुए ही विकसित भारत-2047 की परिकल्पना साकार हो सकेगी। देश में बच्चों की सुरक्षा और उनके पालन-पोषण पर जोर देने वाली कई सरकारी नीतियां बनी हैं। इस सिलसिले में सरकार का ह्यमिशन वात्सल्यह्न बच्चों के स्वास्थ्य और बाल-कल्याण के लिए समर्पित है। कुछ संकेत सकारात्मक बदलाव बताते हैं पर स्वास्थ्य, शिक्षा और खुशहाली के प्रश्न अभी भी बरकरार हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और और स्वास्थ्य की जरूरतें अभी भी संतोषजनक ढंग पूरी नहीं हो पा रही हैं। इसी तरह बाल-विवाह को रोकना आवश्यक है। पिछले दो दशकों में देश में निश्चित रूप से उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अति गरीबी 21 प्रतिशत कम हुई है। इसी तरह अब 80 प्रतिशत बच्चों का जन्म स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर होता है। तब भी ग्रामीण क्षेत्र, मलिन बस्ती, अनुसूचित जाति तथा जनजातियों की स्थिति चिंतनीय बनी हुई है ।विशेष रूप से वंचित समुदाय अनेक प्रकार के अभावों से ग्रस्त हैं। अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की बड़ी कमी है। सभी क्षेत्रों में स्वच्छता और शुद्ध पेय जल की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना अभी भी एक चुनौती है। ऊपर से सूखा, बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, जलवायु-परिवर्तन और शरणार्थी समुदायों का आना-जाना ऐसी आकस्मिक परिस्थितियाँ हैं जो विकास की गति को अचानक थाम लेती हैं। अब वैश्विक स्तर पर इस बात पर अधिकांश देशों में सहमति बन गई है कि बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। बाल श्रम और उनके साथ होने वाले अत्याचार बंद होने चाहिए। परंपरागत रूप से बच्चों की देख-रेख और सुरक्षा परिवार और समुदाय की जिम्मेदारी रही है। पितृसत्तात्मक परिवेश में अक्सर यह भुला दिया जाता है कि बच्चे भी ह्यव्यक्तिह्न हैं और उनके भी अधिकार हैं।अब स्पष्ट रूप से बच्चों के अधिकारों में जीवन का अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा, भागीदारी, विकास, स्वास्थ्य, कल्याण, पहचान, अभिव्यक्ति, भेदभाव से मुक्ति और सुरक्षित वातावरण के अधिकार शामिल किए गए हैं । परंतु गरीबी, भूख, पेय जल की उपलब्धता, रोग, शिक्षा की कमी, बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, बच्चों से श्रम कराना, बच्चों के प्रति हिंसा और शोषण, तथा बाल-विवाह आदि ऐसे विकट संकट हैं जो बच्चों के जीवन, सुरक्षा और विकास में भागीदारी को नकारात्मक रूप से प्रभावित कराते हैं। कानून बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, उनका शोषण और भेदभाव करने के विरुद्ध संरक्षण देता है और उसके उल्लंघन के लिए दंड का भी प्रविधान करता है। फिर भी देश में वंचित वर्ग के बच्चे बड़ी संख्या में कुपोषण के शिकार हैं। उनके आहार में कार्बोहाईड्रेट की अधिकता और प्रोटीन की कमी भी एक बड़ा कारण है । इस का परिणाम होता है अवरुद्ध विकास। एक अनुमान के अनुसार 6.1 करोड़ बच्चे भूख और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित हैं। स्वच्छता और संतुलित आहार के लिए कानून, जागरण और सामाजिक सुधार सबकी जरूरत है। कानूनों के बावजूद आज भी बाल-श्रम जारी है। मासूम बच्चे कई शिफ्ट में काम करते हैं और उनको आराम नहीं दिया जाता । उल्टे उन्हें मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना मिलती है। पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी विकास की प्राथमिक आवश्यकता होती है। संविधान के 86 वें संशोधन में 6 से 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान किया गया है। बच्चों को जरूरत को ध्यान में रख कर नई शिक्षा नीति-2020 में भी कई प्राविधान किए गए हैं जो बच्चों की रुचि, प्रतिभा, मातृ भाषा और संस्कृति के आलोक में उनके समग्र विकास का लक्ष्य पाने के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं। बच्चों के विकास के लिए कई गैर सरकारी प्रयास, भी शुरू हुए हैं जो बच्चों के लिए प्राविधान, उनकी सुरक्षा और प्रतिभागिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से काम कर रहे हैं।

धरती आबा के संकल्पों को पूरा करती मोदी सरकार

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को उरांव क्षेत्र, वर्तमान झारखंड में हुआ था। बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के गौरव, जननायक और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। एक साधारण बालक महज 25 साल की उम्र में बिरसा मुंडा से यूं ही भगवान बिरसा मुंडा नहीं बन गये। सादगी, साहस और आदिवासी समाज के प्रति उनके समर्पण ने उनको धरती आबा का दर्जा दिलाया।

15 नवंबर 2023 को पीएम नरेन्द्र मोदी झारखंड के खूंटी जिली के उस गांव में पहुंचे जहां आज तक देश का कोई प्रधानमंत्री नहीं पहुंचा था। इस गांव का नाम था उलिहातू। ये गांव लोकनायक भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली है। धरती आबा के नाम से प्रसिद्ध भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने बिरसा मुंडा के जन्मस्थान की मिट्टी को पवित्र बताते हुए उससे ह्यतिलकह्न भी लगाया।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को उरांव क्षेत्र, वर्तमान झारखंड में हुआ था। बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के गौरव, जननायक और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। एक साधारण बालक महज 25 साल की उम्र में बिरसा मुंडा से यूं ही भगवान बिरसा मुंडा नहीं बन गये। सादगी, साहस और आदिवासी समाज के प्रति उनके समर्पण ने उनको धरती आबा का दर्जा दिलाया। उन्होंने अंग्रेजों की गुलामी के विरुद्ध आवाज उठाकर समाज में जागरूकता की अलख जगायी। उन्होंने साल 1894 में 'उलगुलान' आंदोलन शुरू किया, जिसमें ब्रिटिश शासन के खिलाफ और आदिवासी अधिकारों के लिए आवाज उठाई गई थी। बिरसा मुंडा ने ईसाई धर्म के प्रसार और धर्मांतरण का कड़ा विरोध किया क्योंकि उन्हें लगा कि यह आदिवासी संस्कृति और पहचान को खत्म कर रहा था। उन्होंने अपने जीवन में आदिवासी समाज में जागरूकता फैलाने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक पहल की। जमींदारों और अंग्रेजों की शोषण की नीति के खिलाफ ह्यउलगुलानह्न करने वाले धरती आबा को वर्ष 1900 में ब्रिटिश सेना ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें रांची जेल में रखा गया। जेल में उन पर कई अमानवीय व्यवहार हुए, लेकिन आंदोलनकारी धरती आबा कभी कमजोर नहीं पड़े। जेल में भी वह अपने साथियों का हौसला बढ़ाते थे। कहते थे, ह्यहमारी जमीन और आजादी के लिए यह बलिदान जरूरी है।ह्न उनकी मृत्यु (9 जून 1900) को जेल में ही हो गयी। 29 नवंबर 2023 को 'मन की बात' के 106 एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "भगवान बिरसा मुण्डा हम सब के हृदय में बसे हैं। सच्चा साहस क्या है और अपनी संकल्प शक्ति पर अडिग रहना किसे कहते हैं, ये हम उनके जीवन से सीख सकते हैं। उन्होंने विदेशी शासन को कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ऐसे समाज की परिकल्पना की थी, जहां अन्याय के लिए कोई जगह नहीं थी। वे चाहते थे कि हर व्यक्ति को सम्मान और समानता का जीवन मिले।" धरती आबा के कार्यों ने स्पष्ट रूप से दशार्या कि उनका संकल्प आदिवासी संस्कृति और गरिमा की रक्षा, सामाजिक सुधार और जल, जंगल और जमीन की रक्षा थे। 24 अक्टूबर 2021 को 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "गरीब और मुसीबत से घिरे लोगों की मदद करने में भगवान बिरसा मुण्डा हमेशा आगे रहे। उन्होंने सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए समाज को जागरूक भी किया।" मोदी सरकार, बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलते हुए आदिवासी समुदायों के उत्थान, सशक्तिकरण और उनकी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कई पहल कर रही है। जनजातीय समाज के उत्थान के लिए मोदी सरकार ने जो समर्पण दिखाया है, वो ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज के सम्मान और सशक्तिकरण को नयी ऊंचाई दी है। देश की पहली जनजातीय महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का चयन, अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण की अवधि बढ़ाना, नयी जातियों को शामिल करना और जनजातीय मंत्रालय के बजट में वृद्धि–इन सब से सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय समुदायों के बलिदान, संस्कृति और विरासत का सम्मान करने और उनके साहस तथा राष्ट्र-निर्माण की कहानियों को राष्ट्रीय चेतना में लाने के लिए जनजातीय गौरव वर्ष मनाने की घोषणा की थी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में सरकार ने प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस की शुरूआत की। आदिवासी समुदाय के विकास के लिये मोदी सरकार की प्रमुख पहलों में जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। 2014-15 में 4,497.96 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में यह 14,925.81 करोड़ रुपये हो गया। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान इसे ₹धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान₹ के नाम से भी जाना जाता है। इस योजना का लक्ष्य व्यापक विकास पहलों के माध्यम से 5 करोड़ से अधिक आदिवासी लोगों को लाभान्वित करना है, जिसमें आवास, बुनियादी ढांचे का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, और कृषि विकास शामिल हैं। आदिवासी विरासत और संस्कृति को सम्मानित करने के लिए 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में घोषित किया गया है। आदि महोत्सव आदिवासी विरासत को प्रदर्शित करने और आदिवासी उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय मंच है। वर्ष 2024 में सामाजिक न्याय के प्रतीक, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डाक टिकट जारी किया। यह डाक टिकट न सिर्फ ₹धरती आबा₹, भगवान मुंडा जी के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है बल्कि जनजातीय समुदाय के कल्याण हेतु मोदी सरकार के समर्पण को भी दशार्ता है। मोदी सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप आदिवासी छात्रों के लिए शिक्षा के स्तर में सुधार देखा गया है, साक्षरता दर 2011 में 59 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 71.6 प्रतिशत हो गई है। आईआईटी दिल्ली और एम्स दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में आदिवासी छात्रों के लिए विशेष चेयर और प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव नतीजे के मायने

बिहार आंदोलन और प्रतिकार की भूमि है। इसे लोकलुभावन वादों से बहलाया नहीं जा सकता और कट्टे की नोक पर तो बिल्कुल भी डराया नहीं जा सकता। लोकतंत्र में जब कभी भटकाव और विभ्रम के हालात बने हैं, बिहार ने अग्रिम पंक्ति पर खड़े होकर मोर्चा संभाला है। बिहार ने हमेशा देश को दिशा देने का काम किया है। मौजूदा चुनाव नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं। यह नतीजे यह बताने और जताने के लिए काफी हैं।

बिहार के लोग बेहद लोकतांत्रिक हैं। उनकी सोच-समझ को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह बौद्धिकों का प्रदेश है। उधार किसी का भी नहीं रखता, सूद समेत वापस करता है। बिहार का व्यक्ति अकारण कोई निर्णय नहीं लेता। बिहारी जन मानस विकास को सर्वोपरि मानता है और राज्य के हित में बड़े से बड़ा निर्णय लेने में हिचकता नहीं है। महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल यहीं की धरती चंपारण से शुरू किया था। यह मंडन मिश्र, विद्यापति, रामधारी सिंह 'दिनकर', फणीश्वरनाथ 'रेणु' और हजारी प्रसाद द्विवेदी की धरती है। बिहार आंदोलन और प्रतिकार की भूमि है। इसे लोकलुभावन वादों से बहलाया नहीं जा सकता और कट्टे की नोक पर तो बिल्कुल भी डराया नहीं जा सकता। लोकतंत्र में जब कभी भटकाव और विभ्रम के हालात बने हैं, बिहार ने अग्रिम पंक्ति पर खड़े होकर मोर्चा संभाला है।

सियाराम पांडेय 'शांत'

बिहार ने हमेशा देश को दिशा देने का काम किया है। मौजूदा चुनाव नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं। यह नतीजे यह बताने और जताने के लिए काफी है कि युवा सिर्फ युवा नेताओं को ही तरजीह नहीं देते, बल्कि अपने बुजुर्गों का भी सम्मान करना जानते हैं। नीतीश कुमार ने बतौर मुख्यमंत्री बिहार में सुशासन लाने का काम किया, उसे विकास से जोड़ने की जो कोशिश की, उसे नजरन्दाज करना तो उनके लिए एक तरह से कृतघ्नता का प्रदर्शन ही होता।

राजद नेता तेजस्वी तो पूरे चुनाव में अपने माता-पिता को ही सम्मान देना भूल गए। अपनी चुनावी रैलियों में एक तरह से उन्होंने माता-पिता की छवि से ही किनारा कर लिया। यह बात लालू यादव को समर्थकों को रास नहीं आई। इसका बिहार की जनता में भी प्रतिकूल संदेश गया कि जो नेता अपने माता-पिता को सम्मान नहीं दे सकता, वह बिहार की जनता का, लालू-राबड़ी समर्थकों का क्या सम्मान करेगा? तेजस्वी यादव ने जिस तरह अपने चुनावी पोस्टर में लालू प्रसाद यादव की तस्वीर छोटी रखी और एक तरह से बिहार की ह्यनई पीढ़ीह्न का संदेश देने की कोशिश की, वे अपने बल पर इस चुनाव में विजय ध्वज लहरा सकते हैं। शायद यह बात बिहार की जनता को पसंद नहीं आई। एनडीए ने तो तेजस्वी यादव की इन कोशिशों को ह्यजंगलराज के पाप छिपानेह्न की कोशिश करार दिया। बीस साल बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार को अगर जनता ने फिर सत्ताधीश बनाने के लिहाज से मतदान किया तो इसके भी अपने मायने हैं। मौजूदा चुनाव नतीजे इस बात की तरफ इंगित करते हैं कि एनडीए के प्रचार पर बड़ी तादाद में मतदाताओं ने अपनी सहमति की मुहर लगा दी है। यह कहने में शायद ही किसी कोई गुरेज होगा कि नीतीश ने एक बार फिर जनता का विश्वास जीत लिया है। बिहार का चुनाव इसलिए भी खास रहा कि यहां लंबे समय से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। विपक्ष को लगता था कि सत्ता विरोधी लहर पर सवार होकर वे बिहार की चुनावी वैतरणी पार कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने भारी भरकम वादे भी किए लेकिन जनता सब समझती है। वह तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के झांसे में नहीं आई। तेजस्वी के प्रण में प्राण भरने की बजाय उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास अवधारणा को महत्व दिया। सबका साथ, सबका विकास की नीति पर अपनी सहमति की मुहर लगाकर बिहार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उसके लिए जाति-धर्म से ज्यादा महत्वपूर्ण सुशासन और विकास है। जो काम करेगा, सम्मान का अधिकारी वही होगा। वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कहने पर ही नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया था। बाद के वर्षों में उन्होंने गठबंधन बदले लेकिन सत्ता हमेशा अपने पास रखी। वे नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। अब 10वीं बार बतौर मुख्यमंत्री उनकी ताजपोशी होनी है।

इस बार ऐसा लग रहा था कि नीतीश कुमार सत्ता विरोधी लहर का सामना शायद न कर पाएं लेकिन चुनाव नतीजों ने यह साबित किया कि उनके खिलाफ राज्य में कोई लहर थी ही नहीं। जनता दल-यूनाइटेड और भाजपा ने इस बार 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। विपक्षी गठबंधन ने बिहार को यह संदेश देने की कोशिश की कि नीतीश कुमार को कदाचित इस बार मुख्यमंत्री न बनाया जाए लेकिन भाजपा और जदयू ने जिस संयम के साथ चुनाव प्रचार किया, उससे जनता को रंचमात्र का भी संदेह नहीं हुआ कि दोनों दलों के बीच महत्वाकांक्षा की कोई जंग है भी। बिहार में पहले और दूसरे चरण में चरण में क्रमशः 65.08 और 69.20 फीसदी वोट पड़े थे। जिस तरह महिलाओं ने बड़ी तादाद में मतदान किया, उसी से लगने लगा था कि इस बार नतीजे चौंकाने वाले आ सकते हैं। बिहार के अब तक के चुनावी इतिहास में यह पहला मौका था जब इतना बंपर मतदान हुआ। जदयू को वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में 15.39 फीसदी वोट मिले थे, इस बार इसमें भारी इजाफा हुआ है। समझा जा रहा है कि महिलाओं ने चुनाव में पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की विकास नीति पर जमकर भरोसा जताया है। बालिकाओं को साइकिल देने, उन्हें स्कूल भेजने, एक करोड़ चालीस लाख महिलाओं के खाते में सीधे 10 हजार रुपये भेजने तक की योजनाओं का नीतीश को खासा फायदा हुआ है। मतदान के दोनों ही चरणों में महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले बढ़-चढ़कर वोट डाला। पुरुषों की तुलना में पहले चरण में 7.48 फीसदी और दूसरे चरण में 10.15 फीसदी अधिक महिलाओं ने वोट किया। तेजस्वी की अगुवाई वाला विपक्षी महागठबंधन तो लंबे समय तक खींचतान का शिकार रहा। सीटों के बंटवारे को लेकर उनमें सहमति बनते-बनते बहुत देर हो चुकी थी। कई सीटों पर गठबंधन में शामिल कांग्रेस और राजद के उम्मीदवार आमने-सामने आ गए थे। इस विलंब से एनडीए को लाभ की फसल काटने में मदद मिली। मतलब महागठबंधन तो अपनी लड़ाई प्रारंभिक मोर्चे पर ही हार गया था। इसके बाद भी अपनी हार का ठीकरा वह चुनाव आयोग पर फोड़ता है तो यह उसकी मर्जी है। वैसे भी अपने कार्यकताओं को उन्हें कुछ बड़ा कारण तो बताना ही है।

दूसरी ओर राजग जनता को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा कि डबल इंजन की सरकार ही बिहार को जंगलराज से बचा सकती है। वही विकास की गाड़ी को आगे बढ़ा सकती है। सरपट दौड़ा सकती है। चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) ने भी इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है। यही नहीं, जीतनराम मांझी की पार्टी हम भी कुछ अच्छा कर पाने में सफल रही है। तेजस्वी ने भरसक कोशिश की कि वह लालू-राबड़ी की सरकार के कार्यकाल से 'जंगलराज' के असर से पार्टी की रक्षा कर सकें लेकिन उनकी कोशिशों ने उनका फायदा कम, नुकसान ज्यादा कर दिया। तेजस्वी यादव के उपमुख्यमंत्रित्व काल में हुई नियुक्तियों में भ्रष्टाचार का मुद्दा उछाल कर राजग ने उनके अतीत को मतदाताओं के समक्ष खड़ा कर दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तो वोट चोरी का हाइड्रोजन बम भी फोड़ा लेकिन वह भी बुरी तरह फुस्स साबित हुआ। राहुल फैक्टर से विपक्ष को जो थोड़ी-बहुत उम्मीदें थी, उनका भी जनाजा निकल गया। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर कांग्रेस का पराभव पार्टी के लिए चिंताजनक नहीं तो और क्या है। अपने को किंग मेकर समझने वाले प्रशांत किशोर और उनकी जनसुराज पार्टी ने भी बिहार में राजद और कांग्रेस का बेड़ा गर्क करने में बड़ी भूमिका निभाई। तीन प्रतिशत से कुछ अधिक वोट पाकर यह पार्टी खुद तो कुछ खास नहीं कर सकी लेकिन' खेलब न खेलय देब, खेलवय बिगारब' वाली कहावत को उसने चरितार्थ जरूर किया। वैसे, प्रशांत किशोर ने पहले ही सुस्पष्ट कर दिया था कि वे इस चुनाव में या तो अर्श पर रहेंगे या फिर फर्श पर रहेंगे। कोई भी सुलझा व्यक्ति कुछ ऐसी ही लोकतांत्रिक टिप्पणी कर सकता है। यूं तो तेजस्वी यादव ने हर घर सरकारी नौकरी, पेंशन, महिला सशक्तिकरण जैसे कई बड़े वादे किए, लेकिन फंडिंग और टाइमलाइन का ठोस प्लान वे बिहार के आम जनमानस को समझा नहीं सके।

शिव-विष्णु मिलन का प्रतीक मणिकर्णिका स्नान

हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को बैकुंठ चतुर्दशी मनाई जाती है। यह दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु और शिव जी के मिलन का प्रतीक भी माना जाता है। इस शुभ मौके पर मणिकर्णिका घाट पर स्नान करने की परंपरा है। इस बार 04 नवंबर 2025 को मणिकर्णिका स्नान किया जा रहा है। इस दिन लाखों श्रद्धालु वाराणसी में गंगाजी में डुबकी लगाते हैं और मोक्ष प्राप्ति की कामना करते हैं। तो आइए जानते हैं मणिकर्णिका स्नान की तिथि, मुहूर्त, महत्व और पौराणिक कथा के बारे में...

कब है मणिकर्णिका स्नान

इस साल मणिकर्णिका स्नान 04 नवंबर 2025 के दिन किया जा रहा है। इस दिन वैकुंठ चतुर्दशी भी मनाई जा रही है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस दिन भगवान विष्णु ने काशी के मणिकर्णिका घाट पर स्नान किया था और फिर भगवान शिव की विधिविधान से पूजा-अर्चना की थी। जिसके फलस्वरूप भगवान शिव ने भगवान विष्णु को आशीर्वाद दिया था कि जो भी इस घाट पर स्नान करेगा, वह जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाएगा और मोक्ष की प्राप्ति होगी। मणिकर्णिका घाट का धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व होता है। पौराणिक मान्यता है कि यहां पर भगवान शिव और मां पार्वती ने ध्यान किया था और भगवान विष्णु के पद चिन्ह भी स्थित हैं। इसको मोक्षदायिनी घाट भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर अंतिम संस्कार करने और स्नान करने से जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस घाट को मणिकर्णिका इसलिए भी कहा जाता है कि क्योंकि यहां पर मां पार्वती का कुंडल गिरा था।

महत्व

बता दें कि मणिकर्णिका स्नान बेहद पवित्र और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग माना जाता है। कहा जाता है कि यहां पर स्नान करने से जातक को भगवान शिव और मां गंगा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इससे जातक के जीवन सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। वहीं मणिकर्णिका स्नान करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। यह स्नान के जातक के लिए मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग माना जाता है और यह बैकुंठ चतुर्दशी पर इस स्नान से पुण्यफल प्राप्त होता है।

टिप्स

एयर प्यूरीफायर बच्चों की इम्युनिटी के लिए हानिकारक नहीं

इस समय दिल्ली-एनसीआर में जहरीली हवा के कारण कई लोग वायु गुणवत्ता (अदक) कम करने के लिए अपने घरों में एयर प्यूरीफायर लगाने पर मजबूर हो गए हैं। हालांकि एयर प्यूरीफायर हवा की गुणवत्ता सुधारने में मदद करते है, लेकिन इनके बार-बार इस्तेमाल से जुड़ी कई भ्रामक तथ्य हैं, जिनमें यह धारणा भी शामिल है कि ये बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम कर देते हैं। नवजात शिशु विशेषज्ञ ने बताया कि क्या एयर प्यूरीफायर हानिकारक हैं और उनके इस्तेमाल से जुड़े मिथक का खंडन किया। एयर प्यूरीफायर के इस्तेमाल से आपके बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर नहीं होगी।

क्या एयर प्यूरीफायर आपके बच्चे के लिए हानिकारक हैं?

हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया कि जब लोग एयर प्यूरीफायर खरीदते हैं, तो उनके दिमाग में कई सवाल आते हैं, जैसे कि- क्योंकि इसका इस्तेमाल सिर्फ एक ही कमरे में किया जा सकता है। जब बच्चा दूसरे कमरों में जाएगा, तब भी घर के अंदर वायु प्रदूषण होगा। तो क्या दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले बच्चों को भी इसकी आदत नहीं डालनी चाहिए? माता-पिता अक्सर पूछते हैं, ₹अगर हम एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें तो यह कैसे करें? हेल्थ एक्सपर्ट ने कहा कि वायु विषाक्तता के कण और इम्युनिटी का आपस में कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि- ₹जो व्यक्ति दिन में 20 सिगरेट पीता है, उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता और सहनशीलता 5 सिगरेट पीने वाले व्यक्ति से ज्यादा नहीं होती। इसलिए, अगर हो सके तो रात में कम से कम 8 से 10 घंटे प्यूरीफायर चलाएं ताकि बच्चे के फेफड़े ठीक हो सकें।अगर आपके पास एयर प्यूरीफायर नहीं है तो क्या करें

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

बाल दिवस पर खेल कूद एवं क्विज किया गया प्रतियोगिता का आयोजन

जरमुंडी : प्रखण्ड अंतर्गत चमराबहियार पंचायत के ग्राम बेदिया में शुक्रवार को अणु आश्रम स्कूल में बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजलि दिया गया। स्कूल के प्राचार्य सुहागिनी मुर्मू ने उपस्थित छात्र छात्राओं को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन एवं उनके विचारों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विभिन्न खेल कूद एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसने बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में मुन्ना सोरेन प्रथम एवं भीम हेम्ब्रम द्वितीय स्थान मे रहे। बालिका वर्ग में रंजू हेम्ब्रम प्रथम एवं अखिल मुर्मू द्वितीय स्थान मे रहे। क्विज प्रतियोगिता में इमारसन हांसदा प्रथम एवं सौरभ कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। घड़ा फोड़ प्रतियोगिता में खुशी कुमारी ने बाजी मारी। तत्पश्चात सभी विजेताओं को परितोषी वितरण किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सुलेमान मरांडी ने अपनी शब्दों से सभी छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन किया एवं खेल संचालक जुलियस मरांडी के धन्यावाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन किया गया।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें : मिथिलेश

साहिबगंज : सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत तालबन्ना के समीप सघन वाहन जांच और जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी द्वारा किया गया।अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया सभी प्रकार के वाहनों की समुचित जांच की गई। बिना हेलमेट, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस एवं अन्य नियमानुसार दस्तावेजों के अभाव में पाए गए चालकों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 31 वाहनों से लगभग ₹36,500 का जुमार्ना वसूला गया।सभी वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा मानकों का पालन करने, ओवर स्पीडिंग से बचने एवं अपने और दूसरों के सुरक्षित यातायात हेतु नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह,आरईए अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस थाना प्रभारी एवं पुलिस बल की सक्रिय उपस्थिति रही।जिला प्रशासन आमजन से अपील करता है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें।

दावा आपत्ति निराकरण समिति का गठन करते हुए उसे कार्य-निर्देश मिला

साहिबगंज : जिला के कार्यालय प्रकोष्ठ में आज उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पीएमएवाई-जी के अंतर्गत पीएमयु सीईएलएल में संविदा आधारित नियुक्ति हेतु जिला चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु विस्तृत समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त ने बताया कि अभ्यर्थियों के लिए दावा आपत्ति स्वीकार करने की तिथि 19 नवम्बर से 25 नवम्बर 2025 तक निर्धारित की गई है। यह प्रक्रिया विकास भवन स्थित उप विकास आयुक्त के कार्यालय में संपन्न होगी।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्राप्त सभी दावों एवं आपत्तियों का निराकरण 5 दिसंबर, 2025 को किया जाएगा। इसके लिए दावा आपत्ति निराकरण समिति का गठन करते हुए उसे कार्य-निर्देश भी प्रदान किए गए।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जेएससीए कैंप के लिए क्रिकेटर जुनैद व आदित्य का चयन

साहिबगंज : जिला के दो क्रिकेटर मो जुनैद परवेज व आदित्य का चयन झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन कैंप के लिए हुआ है। कैंप में बेहतर प्रदर्शन करने पर दोनों का अंडर-16 राज्य टीम में सेलक्शन हो सकता है। दोनों खिलाड़ी शुक्रवार को बस से जमशेदपुर रवाना हो गए। इसके पूर्व जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, सुरेश साह, अशफाक आलम, राकेश गुप्ता, गोपाल सिंह, राकेश रोशन, सुधांशु रंजन, अनाउल्लाह ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामना देकर रवाना किया। ज्ञात हो कि जिला क्रिकेट संघ ने कई खिलाड़ियों को अगस्त में ट्रायल के लिए भेजा था। जिसमें मो जुनैद, आदित्य का चयन हुआ था। इसके उपरांत मेडिकल में भी दोनों फिट पाए गए। मेडिकल में फिट पाए जाने पर दोनों खिलाड़ी बीसीसीआई के एवीपी अंडर-16 कैम्प का हिस्सा बने हैं। इधर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा, सतीश सिन्हा, अमित तिवारी, चतुरानंद पांडेय, आफताब आलम, प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डु, चंदन, सुधीर राणा, श्याम रंजन व अन्य ने खिलाड़ियों को शुभकामना दी है।

बच्चे दुनिया का भविष्य हैं उन्हें शिक्षा से जोड़ना जरूरी : अंकित

साहिबगंज : प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है।इस अवसर पर साहिबगंज शहर के वार्ड संख्या 26 के छोटा पंचगढ़ जिड़वाबाड़ी मोहल्ला में बच्चों के बीच खाध्य व अध्ययन सामग्री का वितरण कर बाल दिवस मनाया गया।इसका आयोजन आजाद सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष टाइगर अंकित पाण्डेय द्वारा किया गया।इस अवसर पर उपस्थित दर्जनों बच्चों के बीच पढ़ने-लिखने की सामग्री एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।आयोजकों ने उपस्थित बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी एवं उन्हें शिक्षा से जुड़े रहने हेतु प्रेरित किया।मौके पर मुख्य रूप से रोहित डीजे,शिवम मिश्रा,सदानंद यादव,चंदन मोदी,रोहित, छोटू एवं दर्जनों लोग उपस्थित थे।

कांग्रेसजनों ने नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

साहिबगंज : देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री आधुनिक भारत के निमार्ता पंडित जवाहर लाल नेहरू की 136वीं जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमिटी साहिबगंज द्वारा पुष्पांजलि एवं विचार संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मो कलीमुद्दीन ने किया।जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में समस्त कांग्रेसजनों ने नेहरू जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।जिला कांग्रेस कार्यालय में विचार गोष्ठी कार्यक्रम में प्रमुख कांग्रेसजनों ने नेहरू जी के आजादी की लड़ाई में भूमिका, जेल में बिताए उनके जीवन और बतौर देश के प्रथम प्रधानमंत्री आधुनिक भारत के निर्माण और देश में एक मजबूत लोकतंत्र स्थापित करने में उनकी भूमिका पर विस्तारपूर्वक अपनी बातों को रखा तथा नेहरू जी के जीवन,कार्यों,मूल्यों,नीति और सिद्धांतों पर अपने विचार साझा किए.कार्यक्रम में अनुकूल मिश्रा,मो कलीमुद्दीन,रिजवान अहमद,बासुकीनाथ यादव,सब्दुल अंसारी,मो मेराज अंसारी एवं अन्य दर्जनों कांग्रेसजन शामिल थे।

घाट सामुदायिक संपत्ति हैं और इनकी स्वच्छता सभी की साझा जिम्मेदारी है : हेमंत सती

संवाददाता

साहिबगंज : भगवान बिरसा मुंडा गंगा घाट का शिलान्यास आज साहिबगंज में मुख्यमंत्री द्वारा डिजिटल माध्यम से किया गया। प्रस्तावित घाट गंगा रिवर थाना के पश्चिम में निर्माण किया जाना है और इसे समुदायिक उपयोग, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा गंगा से जुड़ी गतिविधियों के लिए एक समर्पित सार्वजनिक स्थल के रूप में निर्माण किया जाएगा।

घाट का नामकरण भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया गया है। जिससे यह परियोजना सांस्कृतिक विरासत और रजत समारोह-दोनों से जुड़ती है।हाल ही में आयोजित नमामि गंगे परियोजना बैठक में उपलब्ध भूमि, स्थानीय आवश्यकताओं और विस्तृत रिवरफ्रंट डेवलपमेंट की समीक्षा के बाद शिलान्यास की तिथि तय की गई। जिससे परियोजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया सुगम हुई। परियोजना की अनुमानित लागत 99.245 लाख रुपये निर्धारित है। जिले के जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती द्वारा स्थल पर विधिवत भूमिपूजन किया गया। मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह उपस्थित थे।राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 8 नवंबर से सप्ताहभर तक डॉल्फिन संरक्षण-सह-वृहत गंगा स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया। चुनिंदा घाटों पर साफ-सफाई और संक्षिप्त जागरूकता कार्यक्रम हुए ।जिनमें लोगों को याद दिलाया गया कि घाट सामुदायिक संपत्ति हैंऔर इनकी स्वच्छता सभी की साझा जिम्मेदारी है।

बाल विवाह पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज /बरहरवा : मंडरो और बरहरवा प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय में बाल दिवस के उपलक्ष में गैर संस्थागत देखरेख पदाधिकारी मंथन संस्था एवं चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा जागरूकता कार्यक्रम किया गया। वही कार्यक्रम की शुरूआत स्वागतम गीत गाकर एवं देश भक्ति गानों पर नृत्य कर प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए गैर संस्थागत देखरेख पदाधिकारी चंदा कुमारी द्वारा बालिकाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने, आत्मरक्षा के कौशल सीखने तथा कठिन परिस्थितियों में साहस के साथ खड़े होने के लिए प्रेरित किया गया। स्पॉन्सरशिप योजना फोस्टर केयर आफ्टर केयर दत्तक ग्रहण से संबंधित जानकारियां दी गई।चाइल्ड हेल्पलाइन के समन्वयक मोहम्मद इकबाल द्वारा नशा मुक्ति, और किशोर न्याय अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तार से जानकारी दी गई। समन्वयक अमन वर्मा ने बाल विवाह व उसके कुरीतियों के बारे में बताया ,बच्चियो को गुड टच-बैड टच की समझ, बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण, वहीं उन्होंने अभी बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के लड़की या 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह होता है तो यह कानून अपराध है। इसकी सूचना 1098 पर देखकर एक अपराध होने से रोक सकते हैं। मौके पर संजीव कुमार ,गौतम कुमार , आराधना मंडल आदि मौजूद रहे।

माही स्पोर्ट्स येलो ने 107 रन से जीता मैच

संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत शुक्रवार को पोखरिया पैंथर बनाम माही स्पोर्ट्स येलो के बीच मैच खेला गया।टॉस जीत कर पोखरिया पैंथर्स ने क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। वहीं माही स्पोर्ट्स येलो ने 30 ओवर में 8 विकेट के नुकसान ओर 244 रन बनाए। ऋषभ राज ने नाबाद 81, अब्राहम शेख ने 22, वमीक नईम ने 33 ने रन की पारी खेली। पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाज पीयूष ने 3, सावन व कुणाल ने 2 -2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पोखरिया पैंथर्स की टीम 17.4 ओवर में 137 रन बना कर ऑल आउट हो गई। कुणाल यादव ने 50, सावन ने 22, कुश कुमार ने 33 रन की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स येलो के गेंदबाज रौनक दूबे ने 5, वमीक नईम ने 3 व राजेश ने 2 विकेट लिए। माही स्पोर्ट्स येलो ने 107 रन से जीत दर्ज की। माही स्पोर्ट्स येलो के खिलाड़ी रौनक दूबे को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि कुमार रोशन ने रौनक को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग चंदन यादव व श्याम रंजन तिवारी एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया। टूनार्मेंट इंचार्ज अशफाक आलम ने बताया कि 15 नवंबर को जवाहर नवोदय विद्यालय बनाम माही स्पोर्ट्स ब्लू के बीच मैच खेला जाएगा।

रक्तदान को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाए : उपायुक्त

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को रक्त कोष से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि ब्लड बैंक में उपलब्ध रक्त की पूरी जानकारी ई-रक्त कोष पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट की जाए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर और सटीक जानकारी उपलब्ध हो सके।

उपायुक्त ने कहा कि जिले में रक्त की उपलब्धता निरंतर बनी रहे, इसके लिए विभिन्न प्रखंडों में तिथिवार ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने प्रखंडवार अब तक आयोजित रक्तदान शिविरों की स्थिति की समीक्षा की और आगे इसे और अधिक प्रभावी तरीके से संचालित करने को कहा।

उन्होंने जिले की स्वयंसेवी संस्थाओं—रेड क्रॉस, लायंस क्लब, चैम्बर ऑफ कॉमर्स, मारवाड़ी युवा मंच, पुलिस विभाग आदि से अपील की कि वे सामूहिक रूप से आगे आएं और कैलेंडर तैयार कर नियमित रक्तदान शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करें।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि रक्तदान को लेकर अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए।उन्होंने ब्लड बैंक हेतु डेडिकेटेड संपर्क नंबर उपलब्ध कराने और इसे जनसामान्य तक प्रसारित करने का भी निर्देश दिया।

बिरसा मुंडा भारत के आदिवासी समाज के महान क्रांतिकारी नायक थे : केदारनाथ चौधरी

संवाददाता

साहिबगंज : विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई।जयंती समारोह का शुभारंभ विद्यालय की वरिष्ठ आचार्या किरण कुमारी गुप्ता एवं समस्त आचार्य जी दीदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित किया।जयंती समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के सामाजिक विज्ञान के आचार्य श्यामा प्रसाद ने बताया कि धरतीआबा के नाम से प्रसिद्ध बिरसा मुंडा भारत के आदिवासी समाज के महान क्रांतिकारी नायक थे।वह सिर्फ 25 साल की उम्र में अंग्रेजों के खिलाफ एक बड़ा विद्रोह खड़ा करने वाले योद्धा बने थे।उन्होंने अपने जीवन को आदिवासियों के अधिकार संस्कृति और पहचान

को बचाने में समर्पित कर दिया।कक्षा पंचम की बहन सृष्टि रक्षक बहन सृष्टि कुमारी,कक्षा सप्तम की बहन पलक कुमारी बहन दिव्या,बहन खुशबू,कक्षा अष्टम की बहन रिया कुमार बहन नवनीशा निधि,कक्षा नवम की बहन स्वाति कुमारी एवं भैया भोला कुमार ने भगवान बिरसा मुंडा के बारे में अपने विचारों को रखा।जयंती समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आचार्य अमित कुमार ने किया।समारोह में विद्यालय के आचार्य अजय कुमार साह,कल्याण भंडारी,अजीत कुमार मालवीय,संतोष कुमार दास,अर्चना वर्मा,लिपिका राज सिंह,निर्मला कुमारी,सारिका कुमारी,दीपशिखा कुमारी,स्नेहा भारद्वाज,क्रिस्टीना मुर्मू,सोनी कुमारी,टीनू पाण्डेय एवं विद्यालय के सभी भैया/बहन उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु एकेडमी में बड़े धूमधाम से बाल दिवस मनाया

संवाददाता

साहिबगंज : शहर की बाटा रोड स्थित सरस्वती शिशु एकेडमी में बड़े धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया।प्राचार्या गंगा महावर ने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर पर दीप एवं माल्यार्पण करके बाल दिवस का शुभारंभ किया।प्राचार्या ने बाल दिवस की महत्ता पर और नेहरू जी के बारे में विस्तृत रूप से बच्चों को बताया।उप प्राचार्य आरसी प्रवीण,शिक्षिका नुसरत प्रवीण सोनम कुमारी व गायत्री कुमारी ने भी बाल दिवस पर अपने विचार रखें । इस अवसर पर बच्चों को आशीर्वाद दिया।इसके पूर्व एकेडमी में ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों को चार समूह में कक्षा के अनुसार बांटा गया था।ग्रुप ए का विषय कलरिंग ए मैंगो था जिसमें प्रथम राजवंश राज द्वितीय शिवम केशरी व अमित कुमार तृतीय सुरभि कुमारी व परिषा सिंहा हुए।

ग्रुप बी का विषय कलरिंग ए टाइगर था। जिसमें प्रथम त्रिवेंद्र कुमार द्वितीय मोहम्मद अयान अहमद व माही कुमारी, तृतीय जाहनवी कुमारी व भावना कुमारी हुई।ग्रुप सी का विषय कलरिंग ए बॉय कैच द फिश था।जिसमें प्रथम आदर्श रजक द्वितीय किंजल भारती तृतीय कृष्णा रजक शुभम कुमार साहब हुए।ग्रुप डी का विषय कलरिंग ए ब्लैकस्मिथ था जिसमें प्रथम हर्षिता शर्मा रही।बाल दिवस के उपलक्ष में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम भी किया।रिकॉर्डिंग डांस गाने छोटा बच्चा जान के पर कुमारी शिवांगी आयुषी अल्तमश राजवंश प्रगति, अनिका,विराट कुमार ने भाग लिया।लूंगी डांस गाने पर रिकॉर्डिंग डांस मोहम्मद रेहान कुमार येसु,सागर,युवराज,शिवम केशरी ,जयदेव कुमार,आयुष, दिव्यांश, ओम जीशान ने भाग लिया।मैंने पायल है छनकाई गाने पर रिकॉर्डिंग डांस राधिका कुमारी, हर्षिता कुमारी ने भाग लिया ।कमरिया डांस करेगा गाने पर रिकॉर्डिंग डांस शिक्षा राज ने किया।गुलाबी शरारा डांस गाने पर रिकॉर्डिंग डांस कुमारी राशि,भावना,माही,जानवी ने डांस किया सुरभि कुमारी ने अभी तो पार्टी शुरू हुई है पर रिकॉर्डिंग डांस किया।इस अवसर पर प्रो.के के महावर के अलावे अन्य लोगों उपस्थित थे।

दुल्हन की तरह सजी अदिति राव हैदरी

- व्हाइट-गोल्डन लहंगे में चांद सी चमकी एक्ट्रेस
- तस्वीरें चुरा लेंगी दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, और इस बार वजह है उनका लेटेस्ट ब्राइडल लुक जिसमें वो किसी अप्सरा से कम नहीं नजर आ रही हैं, उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहीं हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी एक बार फिर अपने रॉयल लुक को लेकर सुर्खियों में हैं. इस बार अदिति ने ऐसा ब्राइडल लुक अपनाया है. जिसे देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं. सोशल मीडिया पर अदिति की ये नई तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें वो किसी परी से कम नहीं लग रहीं. दरअसल, अदिति ने हाल ही में डिजाइनर गौरव गुप्ता के लिए एक फोटोशूट किया है, जिसमें वो दुल्हन की तरह सजी नजर आई. व्हाइट और गोल्डन कलर के लहंगे में अदिति का अंदाज बेहद रॉयल और ग्रेसफुल दिखा. अदिति के इस लेटेस्ट लहंगा लुक पर किया गया हैवी गोल्डन वर्क और शिमरी टेक्सचर उनके पूरे लुक को शाही बना रहा था. जिस पर से फैंस का नजरें हटाना भी मुश्किल हो गया है.

इस स्टाइल से दुपट्टे को किया ड्रेप

इस खूबसूरत लहंगे के साथ अदिति ने मैचिंग ब्लाउज पहना और उसके ऊपर गोल्डन दुपट्टा डाला, जो उनके ब्राइडल अवतार को और भी निखार रहा है. वहीं ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने पर्ल्स वाला हैवी नेकलेस, झुमके और ग्रीन स्टोन वाली मांगटीका पहनी. ये ज्वेलरी उनके लुक में ट्रेडिशनल खूबसूरती का टच दे रहा है. अदिति ने अपने मेकअप को काफी सटल रखा है. हल्का ग्लो, न्यूड लिप्स और सॉफ्ट स्मोकी आईज के साथ उन्होंने अपने नेचुरल फीचर्स को फ्लॉन्ट किया है. बालों को सिंपल बन में बांधकर उन्होंने अपने इस रॉयल ब्राइडल लुक को पूरा किया. फोटोशूट के दौरान अदिति ने कई शानदार पोज दिए, जिनमें उनकी अदाएं और एक्सप्रेशन ने फैंस का दिल जीत लिया. सोशल मीडिया पर उनके फोटोज पर लोग कमेंट्स कर रहे हैं. कोई उन्हें रॉयल क्वीन कह रहा है तो कोई चांद सी खूबसूरत बता रहा है. अदिति राव हैदरी हमेशा से अपने क्लासी और एलिगेंट फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं. चाहे वेस्टर्न लुक हो या ट्रेडिशनल, वो हर आउटफिट में अपना अलग चार्म लेकर आती हैं. लेकिन इस बार उनके ब्राइडल अवतार ने सबका दिल

'द राजा साब' की शूटिंग पूरी

- प्रभास से जुड़े इस खास दिन पर हुई कंप्लीट; डायरेक्टर ने लिखा स्पेशल मैसेज

फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग पूरी होने पर फिल्म के डायरेक्टर मारुति ने खुशी जाहिर की है। साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म तय समय पर रिलीज होगी।

प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। फिल्म के डायरेक्टर ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उन्हें इस बात की खुशी है कि फिल्म के लीड एक्टर प्रभास से जुड़े खास दिन पर फिल्म 'द राजा साब' पूरी हुई। कौन सा है वो दिन? और कब रिलीज होगी 'द राजा साब' जानिए?

डायरेक्टर मारुति ने शेयर की पोस्ट

एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर डायरेक्टर मारुति ने पोस्ट करते हुए लिखा, '23 साल पहले प्रभास ने सिनेमा में अपना पहला कदम रखा था। आज उसी दिन फिल्म 'द राजा साब' ने अपनी शूटिंग पूरी की है। प्रभास की जर्नी का हिस्सा बनकर लकी फील कर रहा हूं। मुझे पूरा यकीन है कि हमारी फिल्म एक एनर्जी से भरी होगी।' हम फैंस के प्यार और बेसब्री को समझते हैं। लेकिन वादा करते हैं कि 'द राजा साब' बेस्ट होगी।'

कृष्णा अभिषेक के लिए सुनीता मामी की टिप्पणी पर आरती का रिएक्शन, बोलीं-

मुझे पता था, वो हमें प्यार करती हैं

गोविंदा के भांजे व कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और अभिनेता की पत्नी सुनीता आहूजा के बीच वर्षों मन-मुटाव रहा। हालांकि, वर्षों पुरानी खटास अब दूर हो चुकी है। हाल ही में सुनीता आहूजा ने खुद यह बात कही। इस पर गोविंदा की भांजी व कृष्णा की बहन आरती का रिएक्शन सामने आया है।

सुनीता आहूजा और गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक के बीच कई साल तक बोलचाल बंद रही। एक शो में कृष्णा ने कथित तौर पर गोविंदा को लेकर कोई ऐसी टिप्पणी की थी, जिस पर सुनीता को बुरा लग गया। इसके चलते उनके परिवार और कृष्णा के बीच दूरियां बढ़ गई। मगर, अब सब ठीक है। सुनीता आहूजा ने हाल ही में स्वीकार किया कि वर्षों पुराना पारिवारिक विवाद अब खत्म हो चुका है। वे कृष्णा अभिषेक से लेकर आरती तक, घर के सभी बच्चों के लिए खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। इस पर एक्ट्रेस आरती सिंह ने खुशी जताई है।

सुनीता आहूजा ने हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में इस बारे में बात की थी। उन्होंने कहा, सब ठीक है. कृष्णा अभिषेक और आरती मेरे बच्चे की तरह हैं। मैं पुराना सब भूल गई हूं। सुनीता ने कहा कि अब वे नाराज नहीं हैं और सभी के लिए खुशी चाहती हैं। कृष्णा की बहन, आरती सिंह इस बात से खुश हैं। उन्हें उम्मीद है कि फैमिली रिलेशन अब मजबूत हो रहे हैं। यह दिखाता है कि परिवार में गलतफहमियां समय और प्यार से ठीक की जा सकती हैं। आरती सिंह ने बात करते हुए कहा, हां, मैंने वह इंटरव्यू देखा। मैं बहुत खुश हूं। हम हमेशा उनके बच्चे थे और अंदर से मुझे हमेशा पता था कि वह हमसे प्यार करती हैं। इन वर्षों में जो कुछ भी हुआ, आपने मेरी तरफ से कभी कुछ नहीं सुना होगा। मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उन्होंने कृष्णा के बारे में क्या कहा। मैं सच में यह सुनना चाहती थी। उन्होंने बात नहीं की है या कुछ भी नहीं हुआ है, लेकिन मुझे बहुत राहत मिली है कि वह अब उससे नाराज नहीं हैं।

सभी बच्चों को दिया आशीर्वाद

सुनीता ने हाल ही में परिवार के झगड़े के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने नई पीढ़ी को माफ कर दिया। उन्होंने बताया कि कृष्णा, विनय, डंपी और उनके जेठ के बेटे उनके अपने बच्चों जैसे हैं। सुनीता ने कहा, मैं पुरानी सारी बातें भूल गई हूं। अब मैं बस चाहती हूं कि सभी बच्चे हंसें, खेलें और खुश रहें।

अदा शर्मा ने सिखाया 'कद्दू कोर वर्कआउट', बोलीं-

31 दिनों में दिखेगा बदलाव

अभिनेत्री अदा शर्मा न केवल अपने स्वास्थ्य को लेकर अलर्ट रहती हैं बल्कि नए-नए तरीकों से फैंस को वर्कआउट के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अदा शर्मा ने वीडियो शेयर किया, जिसमें नई फिटनेस चुनौती 'कद्दू कोर वर्कआउट 3.0' के बारे में फैंस को जानकारी दी। अदा ने बताया कि इस वर्कआउट से मात्र 31 दिनों में अपना जीवन बदल सकते हैं। पोस्ट में उन्होंने फैंस को कद्दू के साथ 20 रेप्स तक रोजाना इस वर्कआउट को करने की सलाह दी। अदा शर्मा की गिनती उन एक्टर्स में की जाती है, जो फिटनेस को लेकर अलर्ट रहती हैं। उनकी यह तीसरी कोर वर्कआउट सीरीज है, जो विशेष रूप से कोर मसल्स को मजबूत बनाने पर फोकस करती है। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'कद्दू कोर वर्कआउट 3.0 इसे 31 दिन 20 रेप्स तक करें और अपना जीवन बदल लें! कौन कौन करेगा कद्दू कोर वर्कआउट 3.0? मुझे टैग करो मैं जवाब दूंगी। ' इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह खुद इस एक्सरसाइज को डेमॉन्स्ट्रेट कर रही हैं। वीडियो में कद्दू (पंपकिन) को प्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इससे पहले अभिनेत्री ने ब्रेन वर्कआउट से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि एक हाथ से धीमे-धीमे और दूसरे हाथ से झटपट झटपट एक्सरसाइज, अगर ये हो रहा है तो ब्रेन के लिए ये काफी लाभदायी होता है। फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, कोर वर्कआउट बॉडी की स्थिरता बढ़ाने, पोस्चर सुधारने और ओवरऑल स्ट्रेंथ में मदद करता है। अदा शर्मा की पोस्ट पर फैंस कमेंट करते नजर आए। एक फैन ने लिखा, 'न्यू योगा टीचर अनलॉक।' दूसरे ने लिखा, 'वाह, बहुत मजेदार और फनी वर्कआउट है।

घर पर अचानक बेहोश हुए गोविंदा

जुहू के अस्पताल में कराया गया भर्ती

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा अस्पताल में भर्ती हो गए हैं। एक्टर अचानक अपने घर में बेहोश होकर गिर गए थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा को आधी रात अपने घर पर बेहोश हो गए थे, जिसके बाद उन्हें मुंबई स्थित जुहू के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके दोस्त ललित बिंदल ने यह जानकारी दी।

अस्पताल में चल रही जांच

गोविंदा के दोस्त ललित बिंदल ने पीटीआई से बात करते हुए अभिनेता गोविंदा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'शाम को वो घर पर अचानक बेहोश हो गए थे, फिर उन्होंने मुझे फोन किया। मैं उन्हें क्रिटिकेयर अस्पताल ले आया। वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी जांच चल रही है।'

सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दी जानकारी

अभिनेता के दोस्त ललित बिंदल ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए भी जानकारी दी। उन्होंने एक नोट साझा करते हुए लिखा, टमेरे प्रिय दोस्त गोविंदा को बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

शॉर्ट स्कर्ट पहन

टीवी की पार्वती ने शेयर किया प्रेग्नेंसी लुक

टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो देवों के देव... महादेव से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदोरिया ने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज में बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है, जो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. टीवी के पॉपुलर शो देवों के देव... महादेव में पार्वती के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदोरिया इन दिनों प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अपना स्टाइलिश प्रेग्नेंसी लुक फैंस के साथ साझा किया है, जिसमें उनके

बेबी बंप की तस्वीरों ने मचाई सनसनी!

बेबी बंप की फोटोज से बवाल काट दिया है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं. सोनारिका भदोरिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रेग्नेंसी लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की है, जिसमें उनका बेबी बंप साफ-साफ देखा जा सकता है.

शॉर्ट स्कर्ट में दिखाया बेबी बंप

टीवी पर संस्कारी और हमेशा साड़ी में नजर आने वाली सोनारिका भदोरिया रियल लाइफ काफी ग्लैमरस हैं. जिसका सबूत उनकी लेटेस्ट तस्वीरें हैं, जिसमें वह शॉर्ट स्कर्ट बहने बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं.

स्टाइलिश स्टाइल में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

सोनारिका भदोरिया ने इसी साल 14 सितंबर 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज फैंस के साथ शेयर की थी. वहीं अब एक्ट्रेस ने बेबी बंप में कुछ फोटोज शेयर की है, जिसमें उनका स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज साफ झलक रहा है.

सटल मेकअप और बन से लूटा दिल

इन फोटोज में एक्ट्रेस व्हाइट शर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पहने नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने येलो जैकेट भी कैरी किया है. वहीं अगर उनके लुक की बात करें तो, उन्होंने सटल मेकअप और बन के साथ अपने लुक को पूरा किया है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं.

व्हाइट अटायर में बिखेरा जलवा

सोनारिका ने स्कर्ट के बाद ड्रेस वाला स्टाइलिश लुक भी दिखाया. जिसमें वो व्हाइट कलर का शॉर्ट स्लीव्स अटायर पहने नजर आ रही हैं. ड्रेस को शर्ट वाला लुक देने के लिए इस पर राउंड शेप वाले बटन लगाए गए हैं. वहीं, कमर पर बंधी व्हाइट बेल्ट एक्ट्रेस के इस लुक को परफेक्ट बना रही है.

अरशद वारसी ने की आर्यन खान के निर्देशन की तारीफ

बोले- गफूर की सफलता का श्रेय आर्यन को जाता है, वह बहुत खास व्यक्ति हैं

अरशद वारसी हाल ही में आर्यन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आए। इसमें उन्होंने गफूर का किरदार निभाया। एक इंटरव्यू में अरशद ने कहा कि इस भूमिका की सफलता का पूरा श्रेय आर्यन खान को जाता है। बातचीत में अरशद ने कहा, आर्यन खान, जो इस सीरीज के निर्देशक हैं बहुत ही खास व्यक्ति हैं। वे उन निर्देशकों में से हैं जिनके दिमाग में हमेशा एक फिल्म चलती रहती है। मैंने सीरीज में छोटा सा रोल इसलिए किया क्योंकि मुझे आर्यन और शाहरुख पसंद हैं, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा हुआ। उनके साथ काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि आर्यन उन निर्देशकों में से हैं जिनकी बात सुनकर आप सच में उसका पालन करना चाहते हैं। अरशद वारसी ने आगे बताया कि उनके किरदार में जो कुछ भी देखा गया, वह सब आर्यन ने ही लिखा और कल्पना किया था। इस गाने और उनके किरदार गफूर की सफलता पूरी तरह आर्यन के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्यन में निर्देशक बनने की सभी खूबियां हैं। बताते चलें कि सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से आर्यन खान ने डायरेक्टोरियल डेब्यू किया है। सीरीज कई वजहों से विवादों रही। पहला विवाद रणबीर कपूर के बिना डिस्क्लेमर के ई-सिगरेट पीने पर हुआ है। और दूसरा विवाद समीर वानखेड़े की छवि बिगाड़े जाने के आरोपों से है।

के-पॉप स्टार ने 30 दिन में घटाया 10 किलो वजन, स्टेज शो में अचानक हुई बेसुध

कोरियन पॉप स्टार ह्यूना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वे स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेसुध होकर गिरती दिखी हैं। बाद में वजह पता चली कि ह्यूना ने डाइटिंग के जरिए महीनेभर में 10 किलो वजन घटाया। अब चिंतित फैंस उन्हें सलाह दे रहे हैं।

दक्षिण कोरिया की मशहूर पॉप सिंगर ह्यूना एक लाइव स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गईं। यह घटना तब हुई, जब वे वॉटरबॉम्ब 2025 मकाऊ म्यूजिक फेस्टिवल में अपने हिट सॉन्ग 'Bubble Pop' पर परफॉर्म कर रही थीं। गाना गाते-गाते अचानक वे बेसुध होकर गिर पड़ीं। तुरंत सिक्योरिटी स्टाफ और के-पॉप आइकन के डांसर्स ने उन्हें उठाया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद ह्यूना ने चुप्पी तोड़ते हुए वजह बताई और फैंस से माफी भी मांगी है।

प्रेग्नेंसी की अफवाह के बाद घटाया वजन

ह्यूना ने खुलासा किया कि हाल ही में उन्होंने महज 30 दिनों के भीतर करीब 10 किलो वजन कम किया। ऐसा उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग के बाद किया। दरअसल, शादी के बाद बढ़ते वजन के बीच उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ने लगीं। इसके बाद उन्होंने तेजी से वजन घटाने का फैसला लिया और डाइटिंग करने लगीं। यह उनकी सेहत पर भारी पड़ गया।

फैंस से मांगी माफी, किया वादा

प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ीं तो ह्यूना ने 03 अक्तूबर को सख्त डाइट प्लान अपनाने की बात कही थी। थोड़ा आराम महसूस करने के बाद ह्यूना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर कर फैंस से माफी मांगी।

बिहार में एनडीए की बल्ले-बल्ले, पीएम मोदी ने गमछा हिलाकर जताई खुशी,बोले

बिहार में गर्दा उड़ाया, अब पश्चिम बंगाल की बारी

कांग्रेस एक और विभाजन की ओर

एजेंसी

पटनाः बिहार में बीजेपी और एनडीए की बंपर जीत के बाद बीजेपी मुख्यालय में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी एमएमसी बन गई है. पीएम मोदी ने आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी का एक और बड़ा विभाजन होने की आशंका भी जताई और कहा कि कांग्रेस के सहयोगी दल भी अब समझने लगे हैं कि वह सबको एकसाथ डुबो रही है। बिहार में बीजेपी और एनडीए की बंपर जीत के बाद बीजेपी मुख्यालय में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी एमएमसी बन गई है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 2024 के चुनाव के बाद देश के 6 राज्यों में चुनाव हुए और इनमें कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। आज ही के दिन एक चुनाव में हमारे जितने विधायक चुने गए हैं, कांग्रेस पिछले 6 चुनाव में उतने विधायक जीत नहीं पाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति का आधार विरोध करना है। संसद का समय बर्बाद करना, कभी ईवीएम पर सवाल उठाना, कभी चुनाव आयोग को गाली देना, कभी वोट चोरी को मनगढ़ंत झूठा आरोप लगाना, कभी जाति-धर्म के आधार बांटना, देश को दुश्मनों को आगे लाना, कांग्रेस के पास देश के लिए कोई सकारात्मक सोच ही नहीं है. इसलिए आज मैं बहुत गंभीरता के साथ कहता हूं कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी एमएमसी बन गई है। इस मौके पर पीएम ने 42 मिनट के भाषण में कहा कि बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। अब कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी। उन्होंने छठी मईया के जयकारे भी लगाए। उन्होंने कहा कि जो छठ पूजा को ड्रामा कह सकते हैं, वे बिहार की क्या इज्जत करेंगे। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, पश्चिम बंगाल, केरल तमिलनाडु चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भी भाजपा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी माओवादी पार्टी बन गई है। पीएम शाम 6 बजकर 51 मिनट पर मुख्यालय पहुंचे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का गमछा लहराकर अभिवादन किया। सारे कार्यकर्ताओं ने भी गमछा लहराकर इसका जवाब दिया।

फोन से लेकर लैपटॉप की दुनिया में दिग्गज कंपनी फिलिप्स देगी दस्तक, भारत में जल्द होगी एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय स्मार्टफोन बाजार में जल्द ही एक नया ब्रांड दस्तक देने जा रहा है। फिलिप्स नाम से आप पहले से परिचित हैं, लेकिन अब यह ब्रांड स्मार्टफोन से लेकर टैबलेट, स्मार्टवॉच और लैपटॉप तक कई नई कैटेगरी में उतरने की तैयारी कर रहा है। इन सभी प्रोडक्ट्स को भारत में फिलिप्स कंपनी लॉन्च करेगी।

देश में फिलिप्स ब्रांड के मोबाइल फोन और अन्य गैजेट्स की बिक्री संभालेगी। हालांकि, ध्यान देने वाली बात यह है कि फिलिप्स पहले से कई कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स बेचता है। पिछले कुछ दिनों से कंपनी अपने आने वाले स्मार्टफोन के फीचर्स को टीज कर रही है। वहीं, फिलिप्स के संभावित टैबलेट की जानकारी भी सामने आई है, जिसे फिलिप्स पॉउ एयर नाम से बाजार में उतारा जा सकता है। टीज किए गए स्पेसिफिकेशंस यह संकेत देते हैं कि कंपनी शुरूआती या बजट सेगमेंट को टारगेट कर रही है।

पावर के लिए इसमें 7000एएच की बैटरी और 18डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट

होने का अनुमान है। उम्मीद है कि कंपनी अपने नए प्रोडक्ट्स को अगले साल की शुरूआत में लॉन्च करेगी। कंपनी की वेबसाइट पर स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच, लैपटॉप और टैबलेट के सेक्शन तो मौजूद हैं, लेकिन फिलहाल इनकी डिटेल्स उपलब्ध नहीं हैं। वहीं, फीचर फोन सेगमेंट की पूरी जानकारी साइट पर दी गई है, जिससे संकेत मिलता है कि कंपनी एक साथ कई प्रोडक्ट्स लॉन्च करने की योजना बना रही है। कंपनी ने प्लेटफॉर्म पर कई प्रमोशनल टीजर साझा किए हैं, जिनमें फीचर फोन और स्मार्टफोन दोनों की झलक दिखाई देती है। हालांकि, लॉन्च टाइमलाइन और भारतीय बाजार के लिए कंपनी की विस्तृत रणनीति के बारे में अभी आधिकारिक रूप से कोई पुख्ता जानकारी जारी नहीं की गई है।

गृह मंत्री अमित शाह बोले- विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर नागरिक की जीत

एजेंसी

नई दिल्लीः गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को प्रदर्शन की राजनीति की जीत बताते हुए कहा है कि तुष्टीकरण की राजनीति कर लोगों को गुमराह करने वालों को बिहार की जनता ने करारा जवाब दिया है और कहा है कि यह विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। श्री शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में शुक्रवार को कहा कि यह विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले चाहे किसी भी भेस में आएं, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा। जनता अब अपना जनादेश सिर्फ और सिर्फ प्रदर्शन की राजनीति के आधार पर देती है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए के सभी

नेताओं और कार्यकताओं को बधाई देता हूं। साथ ही, बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक भाजपा के सभी कार्यकताओं को भी सलाम करता हूं, जिन्होंने यह परिणाम लाया है। मैं बिहार की जनता और विशेषकर हमारी माताओं-बहनों को आश्वस्त करता हूं कि जिस आशा और विश्वास के साथ आपने मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए को यह जनादेश दिया है, एनडीए सरकार उसे और भी अधिक समर्पण से पूरा करेगी।

अमृतसर रूरल के एसएसपी सस्पेंड, सीएममान ने दिए आदेश

✔ गैंगस्टरों के खिलाफ एक्शन नहीं लेने पर हुई कार्रवाई

एजेंसी

अमृतसर :पंजाब सरकार ने अमृतसर रूरल के एसएसपी मनिंदर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह कदम जिले में लगातार बढ़ रही गैंगस्टर गतिविधियों और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण न हो पाने के कारण उठाया है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में जिले में कई संगठित आपराधिक मामलों में देरी, ढिलाई और समय पर कार्रवाई न होने जैसी शिकायतें सामने आ रही थीं। कई घटनाओं में पुलिस की धीमी प्रतिक्रिया और गिरोहबंद अपराध पर अंकुश लगाने में असफलता को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया। सरकारी अधिकारियों की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख था कि इलाके में सक्रिय गैंगों पर निगरानी कमजोर पड़ रही

थी और कई मामलों में खुफिया इनपुट होने के बावजूद ठोस ऑपरेशन नहीं चलाए गए। इससे अपराधियों के हौसले बढ़ने का खतरा था।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर नेटवर्क पर पूरी मजबूती से प्रहार करना सरकार की प्राथमिकता है और इस अभियान में किसी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिले में सुरक्षा प्रबंधन को मजबूत करें, गैंगों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें और आवश्यक होने पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई तेज करें, ताकि आम लोगों में सुरक्षा की भावना कायम रहे।

निलंबन के बाद गृह विभाग जल्द ही नए एसएसपी की नियुक्ति करेगा, जो क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की कमान संभालेंगे। सरकार का कहना है कि आने वाले दिनों में इस तरह की कार्रवाई और भी देखने को मिल सकती है, क्योंकि प्रशासन राज्य को अपराधमुक्त बनाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रहा है।

उपचुनाव में कांग्रेस गदगद, राजस्थान में भाजपा, तेलंगाना में बीआरएस से छीनी सीट

✔ आप ने जीता तरनतारन, झारखंड की सीट भी हारी भाजपा

✔ उमर अब्दुल्ला को झटका, भाजपा पीडीपी ने जीती दोनों सीटें

एजेंसी

नई दिल्लीः देश के सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस को थोड़ी राहत मिली है। राजस्थान की अंता (बारां) सीट पर कांग्रेस के प्रमोद जैन और तेलंगाना की जुबली हिल्स से कांग्रेस के नवीन यादव को जीत मिली है। पहले अंता की सीट भाजपा और जुबली हिल्स सीट पूर्व सीएम केसीआर की पार्टी बीआरएस के पास थी। आम आदमी पार्टी पंजाब की तरनतारन सीट बचाने में कामयाब रही है। यहां से हरमीत सिंह संधू ने जीत हासिल की। मिजोरम के डम्पा से मिजो नेशनल फ्रंट दल ने जीत हासिल की। जम्मू-कश्मीर में सीएम उमर अब्दुल्ला को झटका लगा है। यहां दो सीटों पर हुए उपचुनाव में नगरोटा से भाजपा प्रत्याशी देवयानी राणा जीतीं हैं, वहीं बडगाम से महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी के आगा सैयद मुंतजिर जीते। ओडिशा की नुआपाड़ा सीट बीजेपी के जय ढोलकिया ने जीती है। झारखंड की घाटशिला सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा के सोमेश चंद्र सोरेन पूर्व सीएम चंपई सोरेन के बेटे भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन को बड़े अंतर हरा कर विजयी रहे हैं।

अदाणी सीमेंट ग्लोबल टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाने वाली भारत की पहली सीमेंट कंपनी बनी

एजेंसी

अहमदाबाद : अदाणी सीमेंट टास्कफोर्स ऑन नेचर रिलेटेड फाइनेंशियल डिस्क्लोजर्स (टीएनएफडी) फ्रेमवर्क को अपनाने वाली भारत की पहले सीमेंट कंपनी बन गई है। यह जानकारी कंपनी की ओर से शुक्रवार को दी गई। इसके साथ ही, अदाणी सीमेंट उन सात ग्लोबल सीमेंट कंपनियों में शामिल हो गया है, जिन्होंने टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाया है। अदाणी सीमेंट के अंतर्गत अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी दो ब्रांड आते हैं। टीएनएफडी फ्रेमवर्क को ऐसी कंपनियां अपनाती हैं, जो नेचर पॉजिटिव बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन पर फोकस करती हैं। अदाणी सीमेंट वित्त वर्ष 26 से टीएनएफडी-संरेखित सिफारिशों को औपचारिक रूप से अपनाएगा, जिससे पर्यावरणीय प्रदर्शन में कंपनी की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। अदाणी समूह के सीमेंट व्यवसाय के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाना अदाणी सीमेंट की नेचर पॉजिटिव ग्रोथ और क्लाइमेंट लीडरशीप की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमें अपनी इंडस्ट्री में टीएनएफडी-संरेखित डिस्क्लोजर्स के लिए प्रतिबद्ध होने पर गर्व है, जो हमारे इस विश्वास को दशार्ता है कि जिम्मेदार व्यवसाय दीर्घकालिक सफलता की नींव है। इससे पहले अदाणी सीमेंट ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए दुनिया में पहली बार कमर्शियल स्तर पर कूलब्रूक की रोटोडायनामिक हीटर (आडीएच) टेक्नोलॉजी को स्थापित करने का ऐलान किया था। बहेटी ने कहा, हम नेट जीरो की दिशा में प्रगति को गति दे रहे हैं एवं जैव विविधता को बढ़ा रहे हैं और अपने सभी परिचालनों को मजबूत कर रहे हैं। अदाणी समूह के एकीकृत इकोसिस्टम द्वारा समर्थित, इनोवेशन, डिजिटलीकरण और रिन्यूएबल एनर्जी पर हमारा ध्यान हमें भारत के सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करते हुए सभी पक्षकारों के लिए बेहतर मूल्य प्रदान करने में सक्षम बनाता है। टीएनएफडी की सिफारिशों को अपनाकर, अदाणी सीमेंट प्रकृति से संबंधित जोखिमों और अवसरों की पहचान, आकलन, प्रबंधन और डिस्क्लोजर के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे सतत विनिर्माण में उसका नेतृत्व और मजबूत होगा। टीएनएफडी एक वैश्विक, विज्ञान-आधारित पहल है जिसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल (यूएनईपी एफआई), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और ग्लोबल कैनोपी द्वारा की गई है। यह कंपनियों को रणनीतिक निर्णय लेने और कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग में प्रकृति से संबंधित विचारों को एकीकृत करने में मार्गदर्शन प्रदान करता है। इसके अलावा, अदाणी सीमेंट ने पहले ही मजबूत ईएसजी मानकों को संस्थागत रूप दे दिया है, जिसमें बड़े पैमाने पर वनीकरण शामिल है जिसके तहत इसने 70 लाख से अधिक पेड़ लगाए हैं।

इससे पहले बुधवार को अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) टीएनएफडी फ्रेमवर्क को अपनाने वाली भारत की पहली एकीकृत ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी बन गई, जिसने नेचर पॉजिटिव इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है।

बीजेपी नेता की मौत से हड़कंप, झाड़ियों में पड़ा मिला शव

गंगापुर/ महाराष्ट्र : छत्रपति संभाजीनगर के गंगापुर में नरवाड़ी शिवार के पास इखढ नेता का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान भालगांव निवासी और इखढ युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष गणेश रघुनाथ टेमकर के रूप में हुई है। शव हदियाबाद-नरवाड़ी मार्ग पर नलकांडी पुल के पास पाया गया। घटना की जानकारी स्थानीय सरपंच आसिफ पटेल और निवासी गौरव विधाटे ने पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि सड़क से गुजरते समय वहां से उठती दुर्गंध को देखकर उन्होंने पास जाकर झाड़ियों में पड़े व्यक्ति को देखा। उन्होंने तुरंत अपने साथियों के साथ गाड़ी लगाई और शव को उपजिला अस्पताल तक पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस निरीक्षक कुमारसिंह राठौड़ और उनकी टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सही वजह सामने आएगी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। शव के पास मिले दस्तावेज और इलाके में फैंस और समर्थकों की भीड़ के आधार पर पहचान हुई। गंगापुर पुलिस ने मृतक की मौत को संदिग्ध मानते हुए मामला दर्ज किया है और जांच जारी है। स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओ में इस घटना को लेकर गहरी चिंता और अफसोस का माहौल है। पुलिस ने आस-पास के CCTV फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर हर एंगल से मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

दिल्ली-एनसीआर में 'जहरीली हवा' का आतंक, इंडिया गेट हुआ गुम! कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार

एजेंसी

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर में सर्दी की शुरूआत के साथ ही हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। शनिवार सुबह दिल्ली के कई हिस्सों में घना स्मॉग छाया रहा, जिससे लोगों को आंखों में जलन और सीने में घुटन महसूस हुई।

इंडिया गेट पर विजिबिलिटी घटीः दिल्ली के पॉपुलर प्लेस इंडिया गेट पर सुबह की सैर के लिए आने वाले लोगों को घने स्मॉग के कारण निराशा हाथ लगी। शनिवार सुबह इंडिया गेट स्मॉग की मोटी चादर में लगभग ओझल हो गया। सुबह 8 बजे यहां बिहार में एनडीए की बल्ले-बल्ले, पीएम मोदी ने गमछा हिलाकर जताई खुशी 369 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है।

हॉटस्पॉट में हवा 'गंभीर' श्रेणी के करीबःसीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक प्रदूषण के हॉटस्पॉट माने जाने वाले इलाकों में स्थिति काफी चिंताजनक है। आनंद विहार में सुबह 8 बजे बिहार में एनडीए की बल्ले-बल्ले, पीएम मोदी ने गमछा हिलाकर जताई खुशी 424 दर्ज हुआ, जो 'गंभीर' श्रेणी की तरफ इशारा करता है। वजीरपुर की हवा का स्तर 447

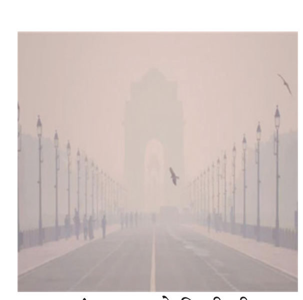

तक पहुंच गया, जो किसी भी शहर के लिए बेहद खतरनाक है। इसके अलावा लोधी रोड, नजफगढ़, करोल बाग और आईजीआई एयरपोर्ट के पास भी हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी हुई है। हवा में धूल कणों, धुएं और नमी के मिश्रण ने एक मोटी स्मॉग की परत बना दी है, जिससे विजिबिलिटी भी काफी कम हो गई है।

एनसीआर के हाल भी चिंताजनक

: दिल्ली से सटे एनसीआर क्षेत्रों में भी हालात बेहतर नहीं हैं। नोएडा सेक्टर-1 में बिहार में एनडीए की बल्ले-बल्ले, पीएम मोदी ने गमछा हिलाकर जताई खुशी 387 दर्ज किया गया। वहीं गुरुग्राम सेक्टर-51 में बिहार में एनडीए की बल्ले-बल्ले, पीएम मोदी ने गमछा हिलाकर जताई खुशी 285 रहा।

सेहत के लिए गंभीर खतरा

इस जहरीली हवा का सबसे बुरा असर बच्चों, बुजुर्गों और सांस या हृदय रोग से पीड़ित मरीजों पर पड़ रहा है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और गले में खराश जैसी शिकायतें हो रही हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक इतनी खराब हवा में रहने से फेफड़ों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है और कैंसर जैसे गंभीर रोगों का खतरा बढ़ जाता है। लोगों के लिए जारी की सलाहः दिल्ली सरकार प्रदूषण कम करने के लिए कच्चे ईंधन वाले वाहनों पर रोक, निर्माण स्थलों पर धूल-नियंत्रण के कड़े उपाय, एंटी-स्मॉग गन का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने जैसे कदम उठा रही है।

आम जनता के लिए जारी की ये सलाह

सुबह और शाम के समय (जब प्रदूषण सबसे अधिक होता है) बाहर निकलने से बचें। घर से बाहर निकलने पर एन -95 मास्क का उपयोग करें। घरों में एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें और शरीर को हाइड्रेट रखें। सरकारी एजेंसियां लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, लेकिन दिल्ली और एनसीआर में हवा की यह गुणवत्ता यहां के निवासियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है।

उलगुलान के महानायक

भगवान बिरसा मुंडा

की 150वीं जयंती पर 25 वर्ष का युवा झारखण्ड धरती आबा को नमन करता है

जोहार

PR-366135(IPRD)25-26

झारखण्ड के खूंटी स्थित उलिहातू की पहाड़ियों और जंगलों में जन्मा एक ऐसा महानायक, जिसने अपने साहस और संघर्ष से ब्रिटिश शासन को चुनौती दी। वे बिरसा मुंडा थे, जिन्हें उनके अनुयायियों ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के रूप में पूजा।

बिरसा मुंडा ने आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष का बिगुल बजाया, उनका उद्देश्य स्पष्ट था। लोगों को उनकी भूमि और अधिकार वापस दिलाना।

बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी विचारों से विचलित हो कर ब्रिटिश शासकों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। जेल में ही 09 जून 1900 को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा शहीद हो गए।

लेकिन उनके उलगुलान का संदेश थमा नहीं। बिरसा मुंडा समेत वीर पुरखों के आदर्शों पर चल कर लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद आंदोलनकारियों ने झारखण्ड अलग राज्य का सपना पूरा किया। आज धरती आबा का युवा झारखण्ड हम सभी के समक्ष है।

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार